page 1_Layout 1 01-09-2026 21:35 Page 1

डेली आवाज भारती

बुलंद भारत की बुलंद आवाज़

आवाज भारती

» बरनाला, मोहाली, चंडीगढ़ » बुधवार, 2 सितंबर 2026 » वर्ष : 01 अंक :130 » मूल्य : 3 रू. » RNI NO. : PBHIN/26/A2687 » स्थानीय संपादक : हेमंत मित्तल

पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन होगा या नहीं, पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया ने किया स्पष्ट

पंजाब में 2027 के चुनावों से पहले सभी पार्टियों ने कमर कस ली

- आगामी चुनावों में जीत हासिल करके सत्ता में आने पर नजरें टिकाईं
- 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान, जो 17 अक्टूबर में खत्म होगा
- वहीं 3 सासंदों के सज्जन सिंह के घर जाने पर पार्टी ने निंदा भी की



डेली आवाज भारती

पंजाब में 2027 के चुनावों से पहले सभी पार्टियों ने कमर कस ली है और आगामी चुनावों में जीत हासिल करके सत्ता में आने पर नजरें टिका रखी है। पंजाब दौरे पर आए पंजाब भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया आज जालंधर भाजपा ऑफिस पहुंचे, जहां उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी के मिशन पंजाब को लेकर नेताओं व कार्यकर्ताओं से मीटिंग चल रही है। वहीं भाजपा अकाली दल के गठबंधन को लेकर सतीश पूनिया ने कहाकि भाजपा 117 सीटों में अकेले चुनाव लड़ेंगी। डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि पार्टी के सगंठन, विचार और जनता के आशीर्वाद से पंजाब में सरकार बनाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में उसी कड़ी में अलग-अलग तरीके की संगठनात्मक नीतियों को लेकर काम किया जा रहा है। पंजाब में 17 सितंबर से सेवा संकल्प अभियान शुरू होने जा रहा है, जो 17 अक्टूबर में खत्म होगा। सज्जन सिंह के घर शोक व्यक्त करने पहुंचे 3 सासंदों को लेकर गरमाए मामले पर सतीश पूनिया ने कहाकि कांग्रेस सिखों के कत्लेआम की दोषी है। वहीं 3 सासंदों के सज्जन सिंह के घर जाने पर पार्टी ने उनकी निंदा भी की।

पीएम मोदी के 25 साल होने पर समाजिक कार्य किए जाएंगे

कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सालों से लोगों की सेवा की है। जिसमें गुजरात के मुख्यमंत्री के पद पर तैनात रहते लोगों की सेवा की और अब 12 सालों से देश के प्रधानमंत्री बनने पर लोगों की सेवा कर रहे है। पीएम द्वारा जारी समान्य योजनाओं से आम लोगों का जीवन बदला है। 2026 में पीएम मोदी के 25 साल पूरे होंगे। ऐसे में पीएम मोदी के 25 साल पूरे होने के चलते समाजिक से जुड़े कामकाज किए जाएंगे, उसी को लेकर आज जालंधर में नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ वर्कशाप लगाई गई है।

पंजाब में अकाली दल से गठबंधन नहीं करेगी भाजपा, सभी सीटों पर अकेले लड़ेंगे चुनाव : सतीश पूनिया



जालंधर । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सतीश पूनिया ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए अकाली दल से गठबंधन की अटकलों पर विराम लगा लगा दिया है। उन्होंने कहा कि अपने दम पर हम सभी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और सरकार बनाने की कोशिश करेंगे। जालंधर में मीडिया से बातचीत के दौरान सतीश पूनिया ने कहा कि पंजाब में भारतीय जनता पार्टी का यही मिशन है। अपने संगठन की ताकत, अपनी विचारधारा और जनता के आशीर्वाद से हम इस बार पंजाब में एक मजबूत सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। अब भारतीय जनता पार्टी एक बड़ा अभियान शुरू कर रही है। %सेवा संकल्प अभियान% 17 सितंबर को शुरू होगा और 17 अक्टूबर को खत्म होगा। इस पूरे एक महीने में पीएम मोदी की योजनाओं के जरिए आम आदमी का जीवन किस तरह से बदला गया, इस बारे में बताया जाएगा। 7 अक्टूबर को पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होंगे। आम आदमी पार्टी द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों पर सतीश पूनिया ने कहा कि मुझे लगता है कि आम आदमी पार्टी बिना किसी विचारधारा वाली राजनीतिक पार्टी है। लंबे समय तक दिल्ली में शासन करने के बाद उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी। पंजाब में ड्रग्स, भ्रष्टाचार, रेत और कानून-व्यवस्था को लेकर किए गए वादों के बारे में मुझे लगता है कि आम आदमी पार्टी सिर्फ हताशा में ऐसे बयान दे रही है। भाजपा का संगठन डबल इंजन की सरकार के उद्देश्य से काम कर रही है। पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन सिंह की मौत पर शोक व्यक्त करने गए दिल्ली से तीन भाजपा सांसदों को लेकर सियासत तेज हो गई। सतीश पूनिया ने कहा कि जो सांसद वहां गए थे, उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से फटकार लगाई गई है। उन्होंने कहा कि 1984 की घटना के लिए सीधे तौर पर कांग्रेस पार्टी जिम्मेदार है। भाजपा ने दिल्ली और हरियाणा में 1984 के दंगों से प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए काम किया। जो लोग जो गए थे, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी फटकार लगाई है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान के खिलाफ हो सीबीआई जांच : बिक्रम मजीठिया

रेप के कई मामलों के आरोपी को छुड़ाने के लिए कई करोड़ रुपये की मांगी थी रिश्वत

डेली आवाज भारती



चंडीगढ। शिरोमणि अकाली दल (SAD) के सीनियर नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने आज सीबीआई या हाई कोर्ट की निगरानी में एक स्वतंत्र जांच की मांग की। यह मांग उन सबूतों के आधार पर की गई है जिनसे पता चलता है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान ने रेप के कई मामलों के आरोपी को उसकी गिरफ्तारी के दो महीने के भीतर छुड़ाने के लिए कई करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी। SAD नेता ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये सनसनीखेज सबूत सार्वजनिक किए। उन्होंने मुख्यमंत्री के साले अमरदीप सिंह ग्रेवाल और आरोपी गुरविंदर सिंह गुरी चहल की ओर से बातचीत करने वाले व्यक्ति के बीच हुई फोन कॉल की रिकॉर्डिंग जारी की। बिक्रम मजीठिया ने न केवल वे रिकॉर्डिंग जारी कीं जिनमें अमरदीप ग्रेवाल ने मुख्यमंत्री की पत्नी की ओर से करोड़ों रुपये मांगे थे, बल्कि फोटो और सीसीटीवी सबूत भी पेश किए। इनसे साबित होता है कि गुरप्रीत कौर मान 'रैप्सोडी बार एंड किचन' पहुंची थीं ताकि उस डील को पक्का किया जा सके जिसका वादा अमरदीप चहल ने बिचौलिए सिमरन हुंदल से किया था। अमरदीप ग्रेवाल द्वारा सिमरन को भेजी गई डॉ. मान की फोटो और सीसीटीवी फुटेज का मिलान करके यह साबित किया गया कि डॉ. मान इस साल 20 मई को रेस्टोरेंट में मौजूद थीं। रिकॉर्डिंग में अमरदीप ग्रेवाल डींगें मारते हुए कहते हैं कि वह गुरी चहल के खिलाफ रेप के सभी मामले खत्म करवा देंगे। वह खुलेआम पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और नानक सिंह जैसे अधिकारियों का नाम लेते हैं जो तुरंत उनकी बात मानेंगे। अमरदीप ग्रेवाल बिचौलिए से यह भी वादा करते हैं कि गुरी को अमृतसर जेल से पटियाला जेल और फिर वहां से अस्पताल भेजा जाएगा ताकि उसे आसानी से ड्रग - 'अफीम' मिल सके। श्री मजीठिया ने कहा कि उन्हें इस साल मई-जून से ही इन रिकॉर्डिंग्स के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने यह पता लगाने के लिए इंतज़ार किया कि क्या इस मामले में कोई डील हुई है। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला कि गुरी को 10 जुलाई को एक मामले में ज़मानत मिल गई है, तो मुझे एहसास हुआ कि सबसे ऊँचे स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने कहा कि जब उन्हें पता चला कि गुरी अमेरिका भाग गया है और पंजाब पुलिस डॉ. गुरप्रीत मान के ख़िलाफ़ आरोपों की जाँच करने के बजाय हाई कोर्ट को गुमराह कर रही है, तो वे अपने पास मौजूद सबूतों को सामने लाए। मजीठिया ने कहा कि यह बहुत पेचीदा मामला है। उन्होंने बताया कि सिमरन हुंदल ने अमरदीप ग्रेवाल से संपर्क किया था और उन्हें 10 लाख रुपये भी दिए थे, जिसके बाद ग्रेवाल ने उसी दिन मुख्यमंत्री की पत्नी के साथ उनकी मीटिंग तय करवाई थी।

पंजाब के जी.एस.टी. संग्रह में 11.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी

प्रमुख राज्यों में एस.जी.एस.टी. नकद राजस्व में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज: हरपाल सिंह चीमा

- पंजाब 18.77 प्रतिशत एस.जी.एस.टी. नकद बढ़ौतरी के साथ प्रमुख राज्यों में अग्रणी
- राजस्व वसूली में दिन-दुगुनी और रात-चौगुनी प्रगति : हरपाल सिंह चीमा

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़/राहुल गोयल : कारोबार को सुगम बनाने और कानून को सख्ती से लागू करने के बीच शानदार संतुलन बनाते हुए, पंजाब ने इस अगस्त माह में मजबूत आर्थिक स्वास्थ्य की तस्वीर पेश की। राज्य ने न केवल शुद्ध जी.एस.टी. राजस्व में साल-दर-साल 11.84त्न की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की, बल्कि स्टेट जी.एस.टी. नकद वसूली में 18.77त्न की शानदार बे ोतरी के साथ भारत के प्रमुख राज्यों का नेतृत्व भी किया। आज यहां जारी प्रेस बयान में इन उपलब्धियों को साझा करते हुए, पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कर मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, ÷राज्य की वित्तीय वसूली में लगातार बड़ी वृद्धि हो रही है। राज्य ने अगस्त 2026 में 2,406.33 करोड़ रुपये का शुद्ध जी.एस.टी. राजस्व दर्ज किया है, जो अगस्त 2025 में एकत्र किए गए 2,151.63 करोड़ रुपये से काफी अधिक है। 254.70 करोड़ रुपये की यह वृद्धि 11.84त्न की ठोस वृद्धि दर को दर्शाती है।÷ एस.जी.एस.टी. नकद वसूली के योगदान को उजागर करते हुए उन्होंने कहा, ÷एस.जी.एस.टी. की नकद वसूली 750.37 करोड़ रुपये से बढ़कर 891.24 करोड़ रुपये हो गई है। 140.87 करोड़ रुपये का यह उछाल 18.77त्न की वृद्धि दर को दर्शाती है, जो इस महीने के लिए देश के किसी भी प्रमुख राज्य द्वारा दर्ज की गई सर्वोच्च एस.जी.एस.टी. नकद बे ोतरी है। अप्रैल से अगस्त 2026 की अवधि के बारे में बात करते हुए मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, ÷पंजाब का कुल जी.एस.टी. राजस्व 12,861.42 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि 2025 की इसी अवधि के दौरान यह 10,971.62 करोड़ रुपये था। यह 1,889.80 करोड़ रुपये की बे ोतरी को दर्शाता है, जो 17त्न की स्थिर विकास दर है। साझा वसूली में 15.74त्न की वृद्धि हुई है, जो अगस्त 2025 के 619.18 करोड़ रुपये से बढ़कर अगस्त 2026 में 716.66 करोड़ रुपये हो गई है। ईमानदार करदाताओं की भूमिका पर जोर देते हुए और वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ चेतावनी देते हुए, उन्होंने कहा, ÷कर चोरी को शुरू में ही रोकने के लिए, विभाग द्वारा अपनी प्रवर्तन कार्रवाइयों में काफी तेजी लाई गयी है। प्रवर्तन कार्रवाइयों का विवरण देते हुए वित्त मंत्री ने कहा, ÷20 अगस्त, 2026 को, जी.एस.टी. चोरी के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मंडी गोबिंदगढ़ में तीन मामले दर्ज किए गए।

सामने आए अपराधियों में मोतिया खान, गोबिंदगढ़ स्थित मेसर्स एन.के. ट्रेडर्ज़ के मालिक नरेंद्र सिंह (एफ आई आर नंबर 277); गोबिंदगढ़ स्थित मेसर्स के.एच. ट्रेडर्ज़ के मालिक और मूल रूप से पत्तरेवाला (फाजिल्का) के निवासी किंगराज (एफ आई आर नंबर 278); और पिंजौर (पंचकूला) के रहने वाले और गोबिंदगढ़ स्थित मेसर्स हनीश एंटरप्राइजिज़ के मालिक हनीश (एफ आई आर नंबर 279) शामिल हैं। स्टेट जी.एस.टी. मोबाइल विंग के एक अलग ऑपरेशन का वर्णन करते हुए, मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया, ÷एक अलग और महत्वपूर्ण ऑपरेशन में, स्टेट जी.एस.टी. मोबाइल विंग ने मेसर्स ए-वन इंटरनेशनल के रूप में पहचानी गई एक फर्म से जुड़े संदिग्ध जाली-रिफंड नेटवर्क का सुराग लगाकर उसका भंडाफोड़ किया।

गोवा से दिल्ली आ रही इंडिगो फ्लाइट का अचानक बंद हुआ इंजन, 5-6 फीट नीचे गिरा विमान; 14 हजार फीट की ऊंचाई पर था विमान

तुरंत करवाई इमरजेंसी लैंडिंग, फ्लाइट में सवार पूर्व एमएलए ने बयां किया खौफनाक मंजर

- एयरपोर्ट पर तैनात थीं फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। गोवा के मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट (मोपा) से नई दिल्ली आ रहे इंडिगो के एक विमान को उड़ान भरने के महज कुछ ही मिनटों बाद आपातकालीन स्थिति में वापस गोवा में उतारना पड़ा। विमान में तकनीकी खराबी के चलते इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। गनीमत यह रही कि पायलटों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया और सभी यात्री सुरक्षित हैं। इस उड़ान में दिल्ली की बवाना विधानसभा सीट से पूर्व विधायक वेद प्रकाश भी अपने परिवार के साथ सवार थे। उन्होंने इस घटना को बेहद डरावना बताते हुए अपनी आपबीती साझा की। उधर उड़ान नियामक संस्था डीजीसीए ने इस पूरी घटना के जांच के आदेश दिए हैं। पूर्व विधायक वेद प्रकाश के मुताबिक, वह मंगलवार सुबह 9-30 बजे इंडिगो की उड़ान संख्या 6इ 2102 से दिल्ली लौटने के लिए सवार हुए थे। जैसे ही विमान ने उड़ान भरी, 10 मिनट के भीतर ही उसमें तेज हलचल शुरू हो गई और अफरा-तफरी मच गई। विमान एकदम धीमा होकर अचानक 5-6 फीट नीचे गिर गया, क्योंकि उसका एक इंजन फेल हो गया था। अगले दो- तीन सेकेंड में इंजन से फिर तेज आवाज आई और विमान दोबारा उड़ा। तेज आवाज और डगमगाहट के बीच पायलट ने बड़ी मुश्किल से करीब 20 मिनट के भीतर वापस गोवा में लैंडिंग कराई। उन्होंने आगे बताया कि एयरपोर्ट पर पहले से ही इमरजेंसी घोषित की जा चुकी थी। विमान में एक इंजन में आई खराबी के बाद पायलटों ने तुरंत एटीसी से संपर्क किया और फुल इमरजेंसी के बीच विमान को मोपा एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड करा लिया। विमान के रनवे पर उतरते ही यात्रियों ने राहत की सांस ली। पूर्व विधायक ने बताया कि गोवा लैंड होने के बाद माइक से पायलट ने कहा कि इंजन फैल होने के कारण लैंड किया गया है। बाद में यात्रियों के लिए दूसरे विमान की व्यवस्था की गई और सभी को दिल्ली लाया गया। मामले पर अपना पक्ष रखते हुए इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा कि विमान के टेकआफ के तुरंत बाद एक तकनीकी खराबी का पता चला था। एसओपी का पालन करते हुए संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और पायलटों ने विमान को मोपा (गोवा) एयरपोर्ट पर सुरक्षित वापस उतार लिया। विमान की फिलहाल मेंटेनेंस जांच की जा रही है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पायलट्स एसोसिएशन जता चुका है चिंता

एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने देश में संचालित हो रहे एयरबस ए321 श्रेणी के विमानों की सुरक्षा को लेकर नागर विमानन दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) को पत्र लिखकर अपनी चिंताएं हाल ही में व्यक्त की हैं। एसोसिएशन ने 21 अगस्त को गोरखपुर एयरपोर्ट पर इंडिगो के ए321नियो विमान के लैंडिंग के समय टेलस्ट्राइक (विमान के पिछले हिस्से का रनवे से टकराना) होने की घटना का हवाला देते हुए सुरक्षा मानकों में ढिलाई पर सवाल खड़े किए हैं। गोवा में इंडिगो के जिस विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई, वह विमान भी एयरबस ए321 श्रेणी का है।

परिवार और खुद में से किसी एक को चुनना था, नेपाली नागरिक ने बताया बाढ़ का आंखों देखा हाल

काठमांडू (डेली आवा भारती ब्यूरो) नेपाल में ऐसी बाढ़ आई, जिसने कई लोगों की जिंदगी तबाह कर दी। इस आपदा में अब तक 1,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। वहीं अभी भी हजारों लोग लापता हैं। इस बाढ़ में कई लोगों ने अपने पूरे परिवार को खो दिया। नेपाल में जब ये बाढ़ आई, तब लोगों के पास ये सोचने का भी वक्त नहीं था कि वे क्या करें। इस बाढ़ में लोग ये सोचने को मजबूर हो गए कि पहले खुद की जान बचाएं या परिवार की। इस आपदा से जिन लोगों को बचा लिया गया है, वे अभी भी अपनों की तलाश में बैठे हैं। नेपाल त्रासदी की आंखों-देखी घटना के बारे में एक शख्स ने जो आपबीती बताई, उसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाएगी। उत्तरगया ग्रामीण नगर पालिका के 43 वर्षीय कार्यकारी सदस्य पूर्णा बहादुर घाले बाजार में थे, जब 26 अगस्त को रसुवा में भोटेकोशी नदी बस्तियों में घुस गई। बाढ़ को देखते हुए किसी ने चिल्लाकर कहा कि सभी को भाग जाना चाहिए। घाले ऐसे में पहले अपने घर की ओर भागे। उनका गांव बाजार से तीन किलोमीटर दूर था, लेकिन जब तक वे पहुंचे, बाढ़ आ चुकी थी। वह मुश्किल से अपनी जान बचा पाए। पूर्णा बहादुर घाले ने काठमांडू पोस्ट को बताया, %कुछ सेकंड ने ही जिंदगी और मौत के बीच का फर्क तय किया।% अब वे लहरेपौवा के शिवालय बेसिक स्कूल में बने होल्डिंग सेंटर में शरण लिए हुए घाले यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आगे क्या हुआ। उनके परिवार के सात सदस्य लापता हैं। अपने परिवार के बारे में बात करते हुए घाले ने कहा, %मुझे नहीं पता कि वे जिंदा हैं या नहीं, और न ही यह पता है कि उनके शव कहां हैं।



घाले ने बाढ़ में कैसे बचाई अपनी जान?

बाढ़ से बचने के लिए घाले भागकर जंगल की ओर ऊंचाई पर चले गए और वहां दो दिन बिताए। तीसरे दिन, शुक्रवार को, नेपाली सेना के एक हेलीकॉप्टर ने उन्हें बचाया और पड़ोसी नुवाकोट के बिदुर पहुंचाया। रविवार को उन्हें उत्तरगया में बने होल्डिंग सेंटर में शरण दी गई है।

जीरकपुर : घर में घुसकर की महिला की बेरहमी से हत्या

खून से लथपथ मिला 35 वर्षीय पूनम का शव, पहले पति से चल रहा था विवाद; पुलिस को हत्या में उसी पर शक

- फॉरेंसिक टीम ने जुटाए अहम साक्ष्य

डेली आवाज भारती



जीरकपुर /भार्गव गोयल। जीरकपुर के बिशनपुरा इलाके की दशमेश नगर कॉलोनी में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक घर के अंदर महिला का खून से लथपथ शव बरामद हुआ। महिला के शरीर पर चाकू से कई वार किए गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान पूनम (35) के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला की हत्या धारदार हथियार से हमला कर की गई। जिस हालत में शव मिला, उससे वारदात की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घर के अंदर बारीकी से जांच करते हुए संभावित साक्ष्य जुटाए। पुलिस द्वारा घटनास्थल से मिले सबूतों को जांच का अहम हिस्सा माना जा रहा है।



पहले पति पर पुलिस की नजर

पुलिस की शुरुआती जांच में महिला के पहले पति पर हत्या का शक जताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। इसी विवाद को हत्या की वारदात से जोड़कर पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है। हत्या के पीछे वास्तविक कारण क्या था और वारदात को किसने अंजाम दिया, इसका खुलासा पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस संदिग्धों से पूछताछ करने के साथ-साथ घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य तथ्यों को भी खंगाल रही है।

CMYK

page 2_Layout 1 01-09-2026 19:27 Page 1

वीआईपी रोड पर फिर गूंजी गोलियों की आवाज, केसरी प्लाजा में फायरिंग से मचा हड़कंप

व्यस्त इलाके में गोली चलने से लोगों में दहशत, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस; सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी पुलिस

डेली आवाज भारती (क्राइम)

ज़ीरकपुर,भार्गव गोयल। ज़ीरकपुर के सबसे व्यस्त इलाकों में शामिल वीआईपी रोड पर एक बार फिर गोलियां चलने की घटना सामने आने से शहर में सनसनी फैल गई। डूढ्ढक रोड स्थित केसरी प्लाजा में फायरिंग की आवाज सुनते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी और दहशत का माहौल पैदा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, केसरी प्लाजा में





अचानक फायरिंग की घटना हुई। गोलियों की आवाज से आसपास के दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि फायरिंग किसने की और किन परिस्थितियों में गोली चलाई गई। पुलिस द्वारा मामले के अलग-अलग पहलुओं को खंगाला जा रहा है। फायरिंग के पीछे आपसी विवाद, रंजिश या किसी अन्य कारण की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा। पुलिस अधिकारियों की जांच पूरी होने के बाद ही घटना की असली वजह सामने आ सकेगी। फिलहाल पुलिस की ओर से फायरिंग के कारण को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। घटना की कड़ियां जोड़ने के लिए पुलिस केसरी प्लाजा और आसपास लगे ष्टष्ठञ्जङ्क कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना के समय मौके पर कौन-कौन मौजूद था और फायरिंग करने वाला व्यक्ति किस दिशा से आया तथा घटना के बाद किस ओर गया। आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। फायरिंग की इस घटना में किसी व्यक्ति के घायल होने की पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है। पुलिस मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कितनी गोलियां चलीं और घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे।

वीआईपी रोड पर लगातार सामने आ रही घटनाओं से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

वीआई पी रोड पर बड़ी संख्या में दुकानें, शोरूम, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं, जिसके चलते यहां दिन-रात लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे व्यस्त इलाके में फायरिंग की घटना ने एक बार फिर शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि व्यस्त बाजारों और प्रमुख सड़कों पर पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किए जाने की जरूरत है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और ष्टष्ठञ्जङ्क फुटेज तथा प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर फायरिंग करने वालों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से एक युवक की मौत, कई घायल

बरनाला (हरप्रीत शर्मा) बरनाला में दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। शिकायतकर्ता जतिंदर सिंह (निवासी सीसर पत्ती, ईना बाजवा) ने पुलिस को बताया कि 30 अगस्त 2026 को वे अपनी ऑल्टो कार (PB 11CY 4499) में अर्शदीप सिंह उर्फ आशु (निवासी खेड़ी कलां) और तीन अन्य साथियों के साथ सफर कर रहे थे। वे सभी गांव खेड़ी कलां से बरनाला की ओर जा रहे थे, तभी गांव संघेड़ा के पास एक अज्ञात ट्रैक्टर चालक ने तेज गति और लापरवाही से उनकी कार को ड्राइवर साइड से जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में अर्शदीप सिंह उर्फ आशु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार में सवार अन्य लोगों को काफी गंभीर चोटें आई और गाड़ी का भी भारी नुकसान हुआ है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

खेतों से केबल तार चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, कबाड़ी सहित तीन गिरफ्तार

डेली आवाज भारती (क्राइम)

थाना शहना की पुलिस ने किसानों की मोटरों से केबल तार चोरी करने वाले गिरोह को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की



बरनाला (नवीन सिंगला काली) शिकायतकर्ता अमरजीत सिंह (निवासी उगोके) के मुताबिक, 30-31 अगस्त 2026 की दरमियानी रात अज्ञात लोगों ने उनके खेत की मोटर से केबल तार काटकर चोरी कर ली थी। सुबह होने पर पता चला कि उसी रात गांव के 10-15 अन्य किसानों की मोटरों की तारें भी चोरी हुई हैं, जिसके बाद किसानों ने अपने स्तर पर जांच शुरू की। पड़ताल में सामने आया कि यह चोरी बेअंत सिंह और हरप्रीत सिंह (निवासी बिलासपुर) ने की है। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर चोरी का माल खरीदने वाले कबाड़ी राज कुमार उर्फ राजू (निवासी बाघापुराना) को भी सह-आरोपी नामजद करते हुए गिरफ्तार कर लिया है।

आरटीआई एक्ट का सख्ती से पालन करें विभाग : मुख्य सचिव

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने सभी विभागों, बोर्डों, निगमों, प्राधिकरणों तथा अन्य सार्वजनिक प्राधिकरणों को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4 के तहत अनिवार्य रूप से सार्वजनिक की जाने वाली सूचनाओं को अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर अपलोड करने और आमजन के लिए आसानी से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने मंगलवार को यह निर्देश हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा 22 जून, 2026 को आरटीआई अधिनियम की धारा 18(2) के तहत एक शिकायत में दिए गए आदेश के अनुपालन में जारी किए गए हैं।मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि आरटीआई के तहत सूचना का स्वप्रेरित प्रकटीकरण केवल औपचारिकता नहीं है।

अवैध शराब की बड़ी खेप बरामदः पति-पत्नी गिरफ्तार, 1080 बोतलें जब्त

डेली आवाज भारती (क्राइम)



बरनाला (हेमन्त मित्तल) बरनाला के थाना सिटी-2 पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी पर कड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में देसी शराब बरामद की है। पुलिस को एक मुखबिर से गुप्त सूचना मिली थी कि रवि कुमार गब्बर और उसकी पत्नी सोनी रानी (निवासी प्रेम नगर, मैक लाइफ डेयरी के पास) बाहर से सस्ते दामों पर शराब लाकर उसे इलाके में महंगे दामों पर बेचने का अवैध धंधा करते हैं। सूचना में बताया गया था कि यदि उनके किराए के मकान पर अभी छापा मारा जाए तो भारी मात्रा में शराब मिल सकती है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनके घर पर दबिश दी, जहां से कुल 90 पेटी (1080 बोतलें) देसी शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

हाई ग्राउंड रोड पर धड़ल्ले से हो रहा कथित अवैध निर्माण

बिना मंजूरी खड़े हो रहे दो मंजिला शोरूम!

डेली आवाज भारती



जीरकपुर,भार्गव गोयल। जीरकपुर की हाई ग्राउंड रोड पर कथित तौर पर बिना जरूरी मंजूरी के हो रहे निर्माण कार्यों ने एक बार फिर नगर कौंसिल की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में ला दिया है। हाई ग्राउंड रोड पर दो मंजिला शोरूमों का निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि निर्माण के लिए आवश्यक विभागीय मंजूरियां लिए बिना ही निर्माण कार्य तेजी से जारी है। हाई ग्राउंड रोड का क्षेत्र एयरफोर्स स्टेशन के आसपास होने के कारण यहां निर्माण को लेकर सामान्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक कड़े नियम और आवश्यक अनुमतियां लागू होती हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि संबंधित निर्माण के लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई है। यदि यह आरोप सही है तो यह मामला केवल अवैध निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि सुरक्षा और निर्धारित निर्माण नियमों की गंभीर अनदेखी से भी जुड़ा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य अचानक शुरू नहीं हुआ, बल्कि काफी समय से मौके पर गतिविधियां चल रही हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि नगर कौंसिल का संबंधित विभाग निर्माण शुरू होने से लेकर अब तक क्या कर रहा था? यदि निर्माण नियमों के विपरीत था तो समय रहते इसे क्यों नहीं रोका गया? लोगों का आरोप है कि हाई ग्राउंड क्षेत्र में लंबे समय से अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण की शिकायतें सामने आती रही हैं। इसके बावजूद यदि निर्माण कार्य लगातार जारी रहते हैं तो इससे नगर कौंसिल की निगरानी व्यवस्था और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हाई ग्राउंड रोड पर बढ़ते व्यावसायिक निर्माण को लेकर स्थानीय लोग ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था को लेकर भी चिंतित हैं। लोगों का कहना है कि यदि बिना पर्याप्त पार्किंग और निर्धारित मानकों के शोरूम खड़े होते गए तो आने वाले समय में सड़क पर वाहनों का दबाव बढ़ सकता है। इससे ट्रैफिक जाम के साथ-साथ सड़क सुरक्षा की समस्या भी गंभीर हो सकती है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि संबंधित निर्माण की मौके पर जांच करवाई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि निर्माणकर्ता ने कौन-कौन सी मंजूरियां हासिल की हैं। साथ ही यह भी जांच का विषय है कि यदि आवश्यक अनुमति नहीं ली गई थी तो संबंधित विभाग को इसकी जानकारी समय रहते क्यों नहीं मिली। वहीं, नगर कौंसिल जीरकपुर के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क पहले ही अधिकारियों को गैर-कानूनी निर्माण और कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दे चुके हैं। अध्यक्ष की ओर से स्पष्ट किया गया है कि नियमों के विपरीत होने वाले निर्माण और अवैध कब्जों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विधानसभा में विधायक शक्तिरानी शर्मा ने उठाईं कालका की तीन प्रमुख मांगें, चार लेन सड़क और रायपुररानी-मोरनी को नगरपालिका का दर्जा देने की मांग

डेली आवाज भारती



कालका/सुनील दत्त : हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान कालका की विधायक शक्तिरानी शर्मा ने शून्यकाल में कालका विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी तीन प्रमुख मांगें सदन में उठाते हुए सरकार से इनके शीघ्र समाधान की मांग की। उन्होंने पिंजौर-मल्हा जंक्शन से कालका-परवाणु हिमाचल बॉर्डर तक चार लेन सड़क का निर्माण कार्य जल्द शुरू करवाने तथा रायपुररानी खंड और मोरनी खंड को नगरपालिका का दर्जा देने का मुद्दा प्रमुखता से रखा। विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कहा कि पिंजौर-मल्हा जंक्शन से कालका-परवाणु हिमाचल बॉर्डर तक चार लेन सड़क के निर्माण के लिए वर्ष 2026 में सरकार द्वारा लभभग 95 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यदि इस परियोजना का टेंडर हो चुका है तो उसकी वर्तमान स्थिति स्पष्ट की जाए तथा निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करवाकर निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाए। इससे क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलने के साथ-साथ आवागमन भी अधिक सुगम होगा। इसी प्रकार विधायक ने रायपुररानी खंड और मोरनी खंड को नगरपालिका का दर्जा देने की मांग भी सदन में रखी। उन्होंने कहा कि दोनों क्षेत्रों को नगरपालिका का दर्जा मिलने से योजनाबद्ध विकास को बढ़ावा मिलेगा, नागरिक सुविधाओं में सुधार होगा तथा क्षेत्रवासियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा। उन्होंने संबंधित विभाग से इस दिशा में आवश्यक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने तथा उचित दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

विधायक शक्तिरानी शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कालका विधानसभा क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों को गति मिली है। नानकपुर में 132 केवी एवं 66 केवी सब-स्टेशन, खुवाला नदी पर पुल तथा नाला डकरोग में बेरघाटी नदी पर पुल सहित करीब 25 करोड़ रुपये के विकास कार्य जनता को समर्पित किए गए हैं। इसके अलावा बडोना कलां से समलेहड़ी तक करीब 3.56 करोड़ रुपये की सड़क का कार्य शुरू हुआ है। वहीं, पिंजौर-कालका क्षेत्र में सेक्टर-23 के विकास को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आगे बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। विधायक ने कहा कि इन तीनों मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय होने से कालका विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति और तेज होगी। क्षेत्र में सड़कों, पुलों, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ मोरनी जैसे पहाड़ी क्षेत्र में भी विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ गति दी जा रही है। विधायक शक्तिरानी शर्मा ने कहा कि कालका की जनता ने हम पर जो विश्वास जताया है, उस विश्वास को विकास और जनसेवा के माध्यम से पूरा करना हमारा संकल्प है। क्षेत्र की जरूरतों और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप विकास कार्यों को आगे बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है।

कैग की रिपोर्ट में खुलासाः आमदनी बढ़ी, खर्च और कर्ज का दबाव भारी

जीएसडीपी 11.83 प्रतिशत बढ़ा, राजस्व प्राप्तियां 5.05 प्रतिशत बढ़ीं, कुल खर्च का 88.94 प्रतिशत राजस्व व्यय

डेली आवाज भारती

चंडीगढ़। हरियाणा की अर्थव्यवस्था भले ही बढ़ रही हो और कर संग्रह में सुधार हुआ हो, लेकिन भारी प्रतिबद्ध खर्च, बढ़ता कर्ज और पूंजीगत निवेश की सीमित गुंजाइश राज्य की वित्तीय सेहत पर दबाव बनाए हुए हैं। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की वर्ष 2024-25 की रिपोर्ट में राज्य के वित्तीय प्रबंधन की यही दोहरी तस्वीर सामने आई है। मंगलवार को रिपोर्ट को विधानसभा में रखा गया है। इसे 13 अप्रैल को राज्य सरकार को भेजा गया था। वर्ष 2024-25 में हरियाणा का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पिछले साल के मुकाबले 11.83 प्रतिशत बढ़ा। राष्ट्रीय जीडीपी में राज्य की हिस्सेदारी 3.67 प्रतिशत रही और पिछले पांच वर्षों में यह हिस्सेदारी अपेक्षाकृत स्थिर रही। राज्य की राजस्व प्राप्तियां भी 5.05 प्रतिशत बढ़ीं, जिसका प्रमुख कारण जीएसटी समेत कर संग्रह और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी बढ़ना रहा। कुल प्राप्तियों में राज्य के अपने कर राजस्व की हिस्सेदारी करीब दो-तिहाई रही। हालांकि, गैर-कर राजस्व सात प्रतिशत घटा, जबकि केंद्र से मिलने वाले सहायता अनुदान में 17.6 प्रतिशत की कमी आई। कैग ने सबसे बड़ी चिंता राज्य के खर्च के ढांचे को लेकर जताई है। 2024-25 में कुल व्यय का 88.94 प्रतिशत राजस्व व्यय रहा। प्रतिबद्ध लागत और सब्सिडी अकेले राजस्व व्यय का करीब 64 प्रतिशत, कुल व्यय का 57 प्रतिशत और राजस्व प्राप्तियों का लगभग 76 प्रतिशत रही। इस भारी बोझ के बीच पूंजीगत व्यय बजटीय प्रावधान से कम रहा। खास तौर पर पूंजीगत व्यय कुल उधारी का केवल 17.67 प्रतिशत रहा। कैग के मुताबिक इससे बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक परिसंपत्तियों में निवेश के लिए राजकोषीय गुंजाइश सीमित होती है। हरियाणा राज्य राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम में तय राजस्व घाटे के लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सका। राज्य की कुल देयताएं पिछले पांच वर्षों में लगातार बढ़ीं और एक साल में 10.52 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कैग ने चेताया कि बढ़ती देनदारियों से भविष्य में मूलधन और ब्याज भुगतान का बोझ बढ़ेगा तथा सरकार की वित्तीय लचीलापन क्षमता प्रभावित हो सकती है। सरकारी निवेश से मिलने वाला रिटर्न भी सरकार की उधारी पर औसत ब्याज दर से कम रहा। रिपोर्ट में 2,491.65 करोड़ की अदत्त (पेंडिंग) देनदारी सामने आई हैं। यह 2024-25 के जीएसडीपी का करीब 0.21 प्रतिशत और राजकोषीय घाटे का 7.19 प्रतिशत है। इनमें स्थानीय निकायों को वित्त आयोग के 1,170.27 करोड़ के अनुदानों का लंबित अंतरण, 827.54 करोड़ के लंबित रिफंड, विभागों के खिलाफ डिस्कॉम की 253.82 करोड़ की ऊर्जा देनदारी और ऋण स्टॉक में शामिल नहीं किए गए 146.53 करोड़ के बजट से बाहर के उधार शामिल हैं। इसके अलावा एनपीएस/सांविधिक निधियों में राज्य अंशदान तथा राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट से जुड़े 93.49 करोड़ की कम, न हुई या ब्याज संबंधी देनदारियां भी शामिल हैं। कैग ने इनकी समयबद्ध पहचान, लेखांकन और रिपोर्टिंग पर जोर दिया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पराली जलाने को रोकने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान

- किसानों को प्रेरित करने के लिए एन.जी.ओज. और समाजसेवियों को साथ जोड़ा जाए
- सोशल मीडिया के द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएः सीएम मान
- पराली के खेत में और खेत से बाहर प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाएः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़,राहुल गोयल : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज राज्य में पराली जलाने की प्रवृत्ति को और रोकने के लिए व्यापक सूचना और जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया, क्योंकि पंजाब सरकार के निरंतर प्रयासों के कारण 2023 से 2025 तक ऐसी घटनाओं में पहले ही 86 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। अधिकारियों को इस अभियान को गांवों और ब्लॉकों तक और अधिक प्रभावी ढंग से ले जाने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि इन उपलब्धियों को मजबूत करने और पंजाब के पर्यावरण को बचाने के लिए गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ .), समाजसेवियों, पंचायतों और किसानों की सक्रिय भागीदारी, बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया की पहुंच और मजबूत इन-सीटू तथा एक्स-सीटू (खेत में और खेत से बाहर) पराली प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। पराली प्रबंधन की रणनीति से संबंधित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि इस वर्ष पंजाब में लगभग 30 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुआई की गई है, जिससे 18.81 मिलियन टन पराली उत्पन्न होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ÷पंजाब सरकार के भरपूर प्रयासों के कारण पंजाब में 2023 से 2025 तक पराली जलाने की घटनाओं में 86 प्रतिशत की कमी आई है। ये घटनाएं 2023 में 36,663 से घटकर 2024 में 10,909 और 2025 में और घटकर 5,114 रह गई हैं। हमें इसे और आगे बढ़ाना है और यह सुनिश्चित करना है कि इस वर्ष पराली जलाने की घटनाओं में और भी कमी आए। जमीनी स्तर पर तीव्र अभियान की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷किसानों को पराली जलाने के नुकसानों के प्रति जागरूक करने के लिए गांव और ब्लॉक स्तर पर व्यापक सूचना और जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। प्रत्येक हितधारक को किसानों को पराली जलाने के स्थायी विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को प्रेरित करने के प्रयासों को और मजबूत करने के लिए गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ .) और समाजसेवियों को इस अभियान में सक्रिय रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷गैर-सरकारी संगठनों और समाजसेवियों को किसानों को प्रेरित करने के लिए साथ जोड़ा जाए। मशीनरी के प्रदर्शन, नुक्कड़ नाटक, सरपंचों के साथ बैठकें, शपथ ग्रहण समारोह और अन्य जागरूकता कार्यक्रम व्यापक स्तर पर करवाए जाएं ताकि यह संदेश जमीनी स्तर तक किसानों तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जमीनी स्तर की गतिविधियों के पूरक के रूप में एक व्यापक डिजिटल और मल्टीमीडिया रणनीति अपनाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, ÷रेडियो जिंगल्स, प्रिंट मीडिया, टेलीविजन, मोबाइल एस.एम.एस. और आउटडोर मीडिया को शामिल करते हुए विस्तृत डिजिटल योजना लागू की जानी चाहिए। पराली जलाने के दुष्प्रभावों और उपलब्ध प्रबंधन विकल्पों के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए सोशल मीडिया जागरूकता अभियान भी बड़े पैमाने पर चलाया जाना चाहिए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों और ग्रामीण संस्थानों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷प्रगतिशील किसानों, उत्कृष्ट प्रदर्शन वाली पंचायतों, पैक्स (प्राइमरी एग्रीकल्चरल क्रेडिट सोसायटियों) और अन्य हितधारकों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाना चाहिए।

ऐसा सम्मान दूसरों को अच्छी प्रथाओं को अपनाने और पराली प्रबंधन को एक सामूहिक आंदोलन बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने इस रणनीति को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी हितधारकों और जिलों के बीच आपसी समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷सभी हितधारकों और जिलों के बीच बेहतरीन समन्वय सुनिश्चित किया जाए ताकि पूरी योजना को सुचारू और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रत्येक विभाग और हितधारक को समन्वय में काम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने पराली के खेत में और खेत से बाहर प्रबंधन दोनों तरीकों के महत्व को भी उजागर किया। उन्होंने कहा, ÷धान की पराली के खेत में और खेत से बाहर प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ मिल सके और पर्यावरण की भी सुरक्षा हो सके। हमारा उद्देश्य किसानों को पराली जलाने के व्यावहारिक और स्थायी विकल्प प्रदान करना होना चाहिए। बैठक में कैबिनेट मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और हरदीप सिंह मुंडियां, मुख्य सचिव के.ए.पी. सिन्हा, सचिव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के.के. यादव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. रवि भगत, सचिव कृषि विभाग अर्शदीप सिंह थिंद और अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।

CMYK

page 3_Layout 1 01-09-2026 19:28 Page 1

डेली आवाज पंजाब

बरनाला, मोहाली, जीरकपुर ›› बुधवार, 2 सितंबर 2026

जनता का पैसा जनता को वापस दे रही "आप" सरकार- भगवंत सिंह मान

डेली आवाज भारती

■ विरोधी पार्टियां चाहे जो मर्जी कर लें, हमारी सरकार जनहित के कार्य जारी रखेगी- भगवंत सिंह मान

■ हर घर में रोजगार, हर बुजुर्ग को इलाज और हर बच्चे को अच्छी शिक्षा का प्रबंध करना मेरी जिम्मेदारी

■ जिन मां-बहनों को सम्मान राशि नहीं मिली हैं, फार्म भर दें, उन्हें भी जुलाई से ही पैसे मिलेंगे







राजपुरा, राहुल गोयल: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जोर देकर कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार कल्याण और विकास पहलों के माध्यम से जनता का एक-एक रुपया लोगों को लौटाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विपक्षी दलों का कोई भी दबाव सरकार के जन-पक्षधर एजेंडे को पटरी से नहीं उतार सकता। राजपुरा में %एक शाम भगवान शिव के नाम% कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हर घर को रोजगार, हर बुजुर्ग को इलाज और हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही उन्होंने, जिन महिलाओं को अभी तक सम्मान राशि नहीं मिली, उन्हें विश्वास दिलाया कि आवश्यक औपचारिक कार्यवाही पूरी करने के बाद उन्हें भी जुलाई से राशि मिलेगी। 'एक शाम शिव के नाम' कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सबका है और हर त्योहार को मिलकर मनाने की इसकी सदियों पुरानी परंपरा को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷पंजाब एक ऐसा गुलदस्ता है, जिसमें हर रंग का फूल मौजूद है और इस पवित्र धरती पर सभी बढ़ते-फूलते हैं। हमारी धरती इतनी उपजाऊ है कि यहाँ हर बीज उग सकता है, लेकिन नफरत का बीज कभी नहीं उग सकता क्योंकि हमारी एकता बहुत मजबूत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब ने हमेशा सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश की है, जहाँ लोग एक-दूसरे के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। उन्होंने कहा, ÷पंजाब में राम नवमी, गुरुपर्व या ईद सहित सभी त्योहार मिलकर मनाए जाते हैं। इस कारण यहाँ सांप्रदायिक सद्भाव, भाईचारे की साझेदारी और अखंडता का रिश्ता बहुत मजबूत है। तीर्थ यात्रा की सुविधा के लिए अपनी सरकार की पहलों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷हमारी सरकार ने %मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना% शुरू की है, जिसके तहत श्रद्धालुओं को श्री हरिमंदिर साहिब, श्री आनंदपुर साहिब और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन की सुविधा दी जा रही है। अब इस योजना का दायरा बढ़ा दिया गया है और हरिद्वार, ऋषिकेश, सालासर धाम और खाटू श्याम जी जैसे पवित्र शहरों को भी इसमें शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना के तहत मुफ्त परिवहन, आवास और भोजन की सुविधाएँ दी जा रही हैं, जिससे लोग यात्रा का वित्तीय बोझ उठाए बिना पवित्र धार्मिक स्थलों पर नतमस्तक हो सकते हैं। 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, यह बहुत गर्व की बात है कि पहली जुलाई से प्रदेश की महिलाओं के खातों में 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत पैसे आने शुरू हो गए हैं। हर महिला 1,000 रुपये प्रति माह की हकदार है, जबकि अनुसूचित जातियों से संबंधित महिलाएँ 1,500 रुपये प्रति माह की हकदार हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷लगभग 75 लाख महिलाओं को पहले ही पैसे मिलने शुरू हो चुके हैं। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लोगों को सचेत करते हुए कहा, अगर विपक्षी सत्ता में आते हैं तो वे 'आप' सरकार द्वारा शुरू की गई सभी जन-पक्षधर पहलों को बंद कर देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा जनकल्याण को प्राथमिकता दी है, जिसकी मिसाल टोल प्लाजाओं को बंद करना है। उन्होंने कहा, ÷लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 19 टोल प्लाजे बंद कर दिए हैं, जिससे आम लोगों की रोजाना लगभग 70 लाख रुपये की बचत हो रही है। पारदर्शी तरीके से नौजवानों को 70,000 से अधिक सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं, 90 प्रतिशत घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है, किसानों को दिन में बिजली मिल रही है और लगभग 44,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।÷ स्वास्थ्य सेवा के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि आप सरकार ने 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' के माध्यम से व्यापक और किफायती चिकित्सा इलाज सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने आगे कहा, ÷मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना देश में अपनी तरह की पहली योजना है, जो पंजाब के हर निवासी परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मुहैया कराती है। यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब व्यापक स्वास्थ्य कवरेज देने वाला पहला भारतीय राज्य है। इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराना है और लाखों लोग इस योजना के तहत मुफ्त इलाज का लाभ उठा चुके हैं।

पार्षद राजेश रठौर की देखरेख में वार्ड नंबर 17 में 10 लाख रुपये की लागत से पेवर ब्लॉक लगाने का विकास कार्य शुरू

■ विधायक अनमोल गगन मान के दिशा-निर्देशों के तहत कुराली शहर का बहुपक्षीय विकास बिना किसी भेदभाव के करवाया जा रहा है : बहादुर सिंह ओके

डेली आवाज भारती



कुराली, (संदीप अकालगढ़िया): स्थानीय शहर में चल रही विकास कार्यों की श्रृंखला के तहत वार्ड नंबर 17 में चकवाल नेशनल के नजदीक सड़क के नवीनीकरण और पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य की शुरुआत की गई। यह विकास कार्य वार्ड नंबर 17 के पार्षद राजेश रठौर तथा नगर परिषद के एम.ई. इंद्रमोहन सिंह भट्टी की देखरेख में शुरू करवाए गए। इस संबंध में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष बहादुर सिंह ओके ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए करीब 10 लाख रुपये की लागत वाले इस प्रोजेक्ट का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर शहरवासियों को संबोधित करते हुए नगर परिषद अध्यक्ष बहादुर सिंह ओके ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार और हलका खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान के दिशा-निर्देशों के तहत कुराली शहर का बहुपक्षीय विकास बिना किसी भेदभाव के करवाया जा रहा है उन्होंने विश्वास दिलाया कि नगर परिषद की पूरी टीम शहरवासियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा शहर को सुंदर बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वार्ड नंबर 17 के पार्षद राजेश रठौर ने बताया कि वार्डवासी लंबे समय से इस स्थान के नवीनीकरण और पेवर ब्लॉक लगाने की मांग कर रहे थे उन्होंने वार्ड की इस महत्वपूर्ण मांग को नगर परिषद अध्यक्ष के ध्यान में लाया, जिसके बाद यह कार्य मंजूर हुआ उन्होंने कहा कि पेवर ब्लॉक लगने से यह स्थान साफ-सुथरा और सुंदर हो जाएगा तथा क्षेत्रवासी यहां विवाह-शादियों, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सुविधाजनक ढंग से कर सकेंगे कार्य शुरू होने की खुशी में वार्डवासियों ने लड्डू बांटकर नगर परिषद अध्यक्ष तथा पार्षद का धन्यवाद किया। इस अवसर पर पार्षद शालू धीमान, हैप्पी धीमान, पार्षद डॉ. नीति कालिया, पूर्व पार्षद रमाकांत कालिया, पूर्व पार्षद वीनू कालिया, पार्षद प्रदीप रूड़ा, गुरपाल सिंह, मनजिंदर सिंह सैबी चीमा, हैप्पी वर्मा, धर्मिंदर जोशी प्रिंसिपल, यादविंदर गौड़, चैन सिंह चीमा, बिट्टू खुल्लर, जीता, एम.ई. इंद्रमोहन सिंह भट्टी, जोनी, राजेश बत्ता, राजेश वर्मा, लक्की सिंह और हरदयाल सिंह गिल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

पंजाब में दशकों बाद पहली बार भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई: बरिंदर कुमार गोयल

■ नहरी सिंचाई के लिए पंजाब के निरंतर प्रयासों के प्रत्यक्ष परिणाम सामने आने लगे: बरिंदर कुमार गोयल

डेली आवाज भारती



***चंडीगढ़; राहुल गोयल :** पंजाब के जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज बताया कि राज्य के भूजल स्तर में बड़ा सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा जारी 2026 के ताजा आकलन के अनुसार दशकों बाद पहली बार राज्य में भूजल स्तर में सुधार दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि भूजल के दोहन की दर वर्ष 2022 के 164 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2026 में 152.22 प्रतिशत रह गई है, जबकि आकलन किए गए अति-शोषित ब्लॉकों की संख्या 117 से घटकर 110 हो गई है और सुरक्षित ब्लॉकों की संख्या 17 से बढ़कर 20 हो गई है। यहां पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा, ÷केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा जारी ताजा आकलन में दर्ज किया गया सुधार, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा नहरी पानी को खेतों तक पहुंचाकर भूजल संरक्षण के लिए किए जा रहे ठोस प्रयासों का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि ताजा भूजल आंकड़े हमारे प्रयासों के महत्व को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, ÷भूजल निकालने की वार्षिक दर वर्ष 2022 के 28.02 बिलियन क्यूबिक मीटर (बी.सी.एम.) से घटकर वर्ष 2026 में 26.32 बिलियन क्यूबिक मीटर (बी.सी.एम.) रह गई है, जबकि भूजल के समग्र स्तर में भी महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है। मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा, ÷यह पंजाब के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दशकों से भूजल स्तर में लगातार गिरावट आ रही थी। यह पहली बार है कि हमने इसमें वृद्धि दर्ज की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में भूजल संबंधी 153 ब्लॉकों को सुरक्षित, अर्ध-गंभीर, गंभीर और अति-शोषित ब्लॉकों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। उन्होंने बताया, ÷ताजा आकलन के अनुसार पहले अति-शोषित और गंभीर श्रेणी में आने वाले कई ब्लॉकों में पानी के स्तर में सुधार हुआ है और वे बेहतर श्रेणियों में आ गए हैं। पानी के स्तर में हुए सुधार के बारे में जानकारी देते हुए जल संसाधन मंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 की तुलना में 14 ब्लॉक बेहतर श्रेणी में आ गए हैं, जिनमें से चार ब्लॉक सुरक्षित श्रेणी में आए हैं।

'हर बूथ कांग्रेस मजबूत' अभियान के तहत लखनौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक

डेली आवाज भारती



लखनौर, (संदीप अकालगढ़िया) पंजाब कांग्रेस द्वारा पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए चलाए जा रहे ÷हर बूथ कांग्रेस मजबूत÷ अभियान के तहत विधानसभा हलका खरड़ के गांव लखनौर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की विशेष बैठक आयोजित की गई बैठक को जिला कांग्रेस कमेटी मोहाली के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रणजीत सिंह जीती पडियाला ने संबोधित किया। बैठक में बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा गांवों की बुनियादी समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया जीती पडियाला ने कहा कि खरड़ हलके के गांव पिछले चार वर्षों से विकास के मामले में अनदेखी का शिकार हैं। उन्होंने कहा कि कई गांवों में विकास कार्य अधूरे पड़े हैं तथा गलियों-नालियों, लिंक सड़कों, स्ट्रीट लाइटों, सीवरेज और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्य लंबे समय से लंबित हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोगों के मुद्दों को लेकर चुप नहीं बैठेगी हर बूथ कांग्रेस मजबूत÷ अभियान के तहत गांव-गांव और बूथ-बूथ जाकर कार्यकर्ताओं को लामबंद कर पार्टी संगठन को मजबूत किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व सरपंच राजिंदर मसीह, भूपिंदर सिंह, सतविंदर सिंह सत्ती, बीबी गुरदीप कौर, प्रगट सिंह, दिलबाग सिंह और जिंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं गांववासी उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ में किसानों का 7 दिवसीय धरना शुरू, एमएसपी की मांग को लेकर लगाया जाम

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। चंडीगढ़ में पंजाब के सैकड़ों किसानों ने मंगलवार को शहर में घुसने के मुख्य रास्तों में से एक को ब्लॉक कर दिया। वे अपनी मांगों को लेकर एक हफ्ते तक चलने वाला विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें डॉ. स्वामीनाथन कमीशन की रिपोर्ट के अनुसार सभी फसलों के लिए गारंटीकृत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग शामिल है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए चंडीगढ़ और पंजाब ने भारी सुरक्षा व्यवस्था तैनात की है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के बैनर तले किसानों ने शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाली व्यस्त सड़क के एक किनारे अपने ट्रैक्टर-ट्रेलर खड़े कर दिए और धरने के लिए टेंट लगा लिए, जो 7 सितंबर तक चलेगा। जानकारी के अनुसार जैसे-जैसे शाम होगी, भीड़ बढ़ने की आशंका है क्योंकि सैकड़ों किसानों को राशन के साथ विरोध स्थल तक पहुंचाया जा रहा है। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा एसकेएम को सेक्टर 48 में एक विरोध स्थल आवंटित किया गया है, जहां प्रदर्शनकारियों को संबोधित करने के लिए एक विशाल मंच बनाया गया था। इस आंदोलन की वजह से हवाई अड्डे की ओर जाने वाले लोगों को सात दिवसीय आंदोलन की शुरुआत के साथ ही मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

आठ महीनों में 85,000 से अधिक बच्चे छतबीड़ चिड़ियाघर देखने पहुंचे

वन्यजीवों के प्रति जागरूकता के लिए पंजाब सरकार के प्रयासों को मिला भरपूर समर्थन

डेली आवाज भारती



जीरकपुर भार्गव गोयल: महिंद्रा चौधरी जूलॉजिकल पार्क, जिसे आमतौर पर छतबीड़ चिड़ियाघर के नाम से जाना जाता है, में वन्यजीवों की विभिन्न प्रजातियों के बारे में अधिक जानने और जागरूक होने का रुझान बच्चों में तेजी से बढ़ रहा है। यह मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के प्रयासों को प्रत्यक्ष प्रमाण है। जनवरी 2026 से 20 अगस्त 2026 तक वन्यजीवों की कई प्रजातियों के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए कुल 85,225 बच्चे चिड़ियाघर पहुंचे। इनमें विशेष रूप से जून महीने के दौरान चिड़ियाघर देखने आने वाले बच्चों की संख्या 19,346 रही।

पंजाब सरकार द्वारा राज्य में बच्चों को वन्यजीवों के प्रति जागरूक करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के कारण संभव हुआ है। वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक के नेतृत्व में, वन्यजीवों, उनकी विभिन्न प्रजातियों और प्रकृति के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हासिल करने के लिए छतबीड़ चिड़ियाघर में बच्चों की भारी आमद देखने को मिली है। जनवरी 2026 से

पंजाब यूनिवर्सिटी में लगातार दूसरी जीत, पंजाब के युवाओं में भाजपा के प्रति बढ़ते भरोसे का स्पष्ट संकेत : सतनाम सिंह संधू

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़, (संदीप अकलगढ़िया) पंजाब यूनिवर्सिटी कैंपस स्टूडेंट्स काउंसिल के चुनाव में अध्यक्ष पद पर ब्रह्मक के उम्मीदवार अंकित बिधान की भारी मतों के अंतर से जीत को राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने पंजाब के युवाओं में भारतीय जनता पार्टी के प्रति बढ़ते भरोसे और विकास की राजनीति को मिल रहे समर्थन का स्पष्ट संकेत बताया है। संधू ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी में लगातार दूसरी बार ब्रह्मक का अध्यक्ष चुना जाना अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश है। देश की प्रमुख और प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटियों में शामिल पंजाब यूनिवर्सिटी के जागरूक विद्यार्थियों ने अपने फैसले के माध्यम से युवा पीढ़ी को लेकर बनाए जा रहे कई भ्रमों का जवाब दिया है।

ABVP की लगातार दूसरी बड़ी जीत ने युवाओं को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम किए दूर—नई पीढ़ी प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ मजबूती से खड़ी

उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम का संदेश स्पष्ट है कि आज का युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ मजबूती से खड़ा है और इसमें अपने सपनों, उम्मीदों तथा भविष्य को देख रहा है। युवा तरक्की, रोजगार और नए अवसर चाहता है तथा देश की विकास यात्रा में अपनी सक्रिय भागीदारी चाहता है। संधू ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी पंजाब और चंडीगढ़ के युवाओं की सोच एवं सरोकारों का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसलिए यहां से आया यह जनादेश कैंपस की सीमाओं से आगे भी महत्वपूर्ण संदेश देता है। पंजाब का युवा निराशा और टकराव नहीं, बल्कि तरक्की, अवसर, निवेश, नवाचार और खुशहाली चाहता है। उन्होंने कहा कि पंजाब की नई पीढ़ी ऐसा पंजाब चाहती है, जहां अपने सपनों को पूरा करने के लिए उसे अपनी जन्मभूमि छोड़ने के लिए मजबूर न होना पड़े। प्रदेश में रोजगार के अवसर हों, उद्योग आएं, निवेश बढ़े और युवाओं की प्रतिभा को आगे बढ़ने के अवसर मिलें। विकसित भारत के साथ विकसित और खुशहाल पंजाब ही आज के युवा की आशा और आकांक्षा है। संधू ने कहा कि लगातार दूसरी बार विद्यार्थियों का विश्वास मिलना दर्शाता है कि पंजाब के युवाओं के साथ भाजपा का संवाद और अधिक मजबूत हो रहा है।

शिरोमणी अकाली दल ने पीपीसीबी से सरहिंद नहर में अनुपचारित सीवेज के बहने को तत्काल रोकने की मांग की

डेली आवाज भारती

कुराली, (संदीप अकालगढ़िया) : शिरोमणी अकाली दल ने आज पंजाब पंदूषण कंट्रोल बोर्ड के समक्ष सरहिंद नहर में अनुपचारित सीवेज के निर्वहन को तुरंत रोकने की मांग की है पीपीसीबी को दिए एक ज्ञापन में अकाली दल के वरिष्ठ नेता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने रूपनगर नगर परिषद सीवेज सिस्टम, एसटीपी आउटलेट और अवैध डिस्चार्ज प्वाइंट का तत्काल निरीक्षण करने की मांग की है। उन्होने अवैध प्रदूषण फैलाने यां अनुमति देने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों का पता लगाने और कहा जहां उल्लंघन साबित हो वहां उचित वैधानिक कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए। इस ज्ञापन में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आकलन करने और जहां भी कानूनी रूप से जरूरी हो, वहां पर्यावरण क्षतिपूर्ति लागू करने की मांग की ज्ञापन में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक उपचारात्मक और बहाली के लिए उपाय करने और किसी भी निर्वहन से पहले नगरपालिका सीवेज का पर्याप्त उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

इस बारे विस्तार से जानकारी देते हुए डॉ. चीमा ने कहा कि यह रूपनगर नगर परिषद के अधिकार क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले अनुपचारित सीवेज और गंदे पानी को सरहिंद नहर में छो ा जाना पर्यावरण के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होने कहा कि नहर के पानी का उपयोग पेयजल आपूर्ति के साथ साथ और सिंचाई के लिए भी किया जाता है। ज्ञापन में कहा ,'' यदि इसकी पुष्टि हो जाती है तो इस तरह का निर्वहन सार्वजनिक स्वास्थ्य, जलीय पारिस्थितिकी, खेती और राज्य के जल संसाधनों की गुणवत्ता के लिए बेहद गंभीर खतरनाक है। अकाली नेता ने कहा कि मामले की गंभीरता इस संभावना से बे गई है कि गैरकानूनी निर्वहन नियमित आधार पर जारी रह सकता है। उन्होने कहा,'' पहले ही काफी देरी हो चुकी है इसीलिए सामान्य प्रशासनिक जांच से प्रभावित जल संसाधन की पर्याप्त सुरक्षा नही हो पाएगी उन्होने कहा कि इसीलिए तुरंत निरीक्षण करना, नमूना लेना और निवारक कार्रवाई बेहद जरूरी है डॉ. चीमा ने कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि इस जल निकासी में सीवेज, कार्बनिक प्रदूषक , निलंबित ठोस पदार्थ, रोगाणु, पोषक तत्व ओर अन्य संदूषक हो सकते हैं उन्होने यह भी उल्लेख किया कि यह सुनिश्चित करना नगरपालिका अधिकारियों की जिम्मेदारी है, इसीलिए वे अपने अधिकार क्षेत्र में उत्पन्न सीवेज को प्राकृतिक यां मानव निर्मित जल संसाधनों के प्रदूषण के बिना ठीक से इकटठा करना, उपचारित कर निपटान करना चाहिए। डॉ. चीमा ने यह कहते हुए कि अवैध रूप से अपशिष्ट छो ने पर जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (जल अधिनियम) का प्रावधान लागू होता है उन्होने कहा कि यदि यह सिद्ध हो जाता है तो अनुपाचित सीवेज को आवश्यक

page 4_Layout 1 01-09-2026 19:34 Page 1

विधायक शेरी कलसी ने 'मिशन क्लीन पंजाब' अभियान के तहत सफाई अभियान का लिया जायजा

शहरवासियों से इधर-उधर कूड़ा न फेंकने की अपील

डेली आवाज भारती



बटाला, (अमनदीप संधू) : पंजाब भर में शुरू किए गए 10 दिवसीय राज्य स्तरीय सफाई अभियान के तहत आज 'स्वच्छ पंजाब' के कार्यकारी अध्यक्ष एवं विधायक शेरी कलसी ने बटाला के विभिन्न बाजारों में चल रहे सफाई अभियान का जायजा लिया। इस अवसर पर मेयर भूपिंदर सिंह बाजवा और एम.सी. गुरप्रीत सिंह राजू भी मौजूद रहे। विधायक शेरी कलसी ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य खुले में कूड़ा फेंकने वाली जगहों को खत्म करना और उन्हें दोबारा बनने से रोकना है। उन्होंने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे सफाई अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने शहरवासियों से जिम्मेदारी के साथ कूड़े का निपटारा करने तथा सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में नगर निगम और अन्य अधिकारियों को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने लोगों से अपने आसपास चल रही सफाई गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने और इसे केवल एक बार का सफाई अभियान न बनाकर निरंतर जन-अभियान बनाने में सहयोग करने की अपील की।

टेक्निकल सर्विस यूनियन के पदाधिकारियों ने मांगों को लेकर की अहम बैठक



टेक्निकल सर्विस यूनियन के पदाधिकारी बैठक करते हुए।

डेली आवाज भारती

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): गुरुहरसहाय टेक्निकल सर्विसेज यूनियन की मासिक सामान्य बैठक गुरुहरसहाय के बिजली दफ्तर में हुई, जिसकी अध्यक्षता सुरिंदर कुमार ने की और सचिव की भूमिका सुखदेव सिंह जी ने निभाई। बैठक में डिवीजन के नेता शेर सिंह और विभिन्न सब-डिवीजन के नेताओं के साथ-साथ पेंशनर संगठनों के नेता साथी विशेष तौर पर शामिल हुए, जबकि राज्य सचिव शिंगार चंद ने बैठक को विशेष तौर पर संबोधित किया। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा साझा कर्मचारी मंच के मुख्य नेता सुखचैन सिंह खहरा का जो तबादला किया गया है, संगठन ने इस तबादले की निंदा की है। उन्होंने बताया कि आपकी सरकार कर्मचारियों से किए वादे करके मुकर रही है और कर्मचारियों की मांगें मानने में आनाकानी कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार कर्मचारियों के साथ जल्द से जल्द बैठक करके उनके मसले हल कर दे, नहीं तो पंजाब सरकार को कर्मचारियों के तीखे संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। इस मौके पर परविंदर सिंह, करण शर्मा, संदीप कुमार, मंदर सिंह, जसविंदर बावा सब-डिवीजन की ओर से नरेश सेठी और राम कृष्ण, राजेंद्र सिंह, पेंशनर एसोसिएशन के नेता और क्रांतिकारी किसान यूनियन के नेता इकबाल सिंह गामूवाला विशेष तौर पर संबोधित किया।

गुरुहरसहाय नगर परिषद के ईओ ने मुलाकात करने गए नागरिकों से किया दुर्व्यवहार

- युवाओं ने ईओ और पंजाब सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर चेतावनी नोटिस किया जारी
- गल्ती का ऐहसास होने पर ईओ ने सभी से बात कर उनसे मांगपत्र किया प्राप्त

डेली आवाज भारती



गुरुहरसहाय नगर परिषद् के ईओ नगर निवासियों से मांगों संबंधी मांगपत्र प्राप्त करते हुए।

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): गुरुहरसहाय शहर के संघर्षशील निवासियों और आइडियल विलेजियर्स स्पोर्ट्स एंड वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधियों ने शहर की नरक जैसी स्थितियों को लेकर ईओ नगर परिषद गुरुहरसहाय को चेतावनी/नोटिस देने के लिए मुलाकात की। मालूम हो कि जब प्रतिनिधि अपना मांग पत्र सौंपने के लिए ईओ कार्यालय पहुंचे तो ईओ ने उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार ना करते हुए कहा कि पांच लोग बैठ जाएं और बाकी सब बाहर चले जाएं। ईओ के इस तानाशाही रवैये को सुनकर वहां मौजूद सभी नगरवासी और युवाओं में भारी रोष फैल गया। जिसके बाद युवाओं ने विरोध स्वरूप कार्यालय के अंदर ही ईओ नगर परिषद गुरुहरसहाय और पंजाब सरकार मुर्दाबाद के जोरदार नारे लगाए। मालूम हो कि नारेबाजी के बाद ईओ को अपनी गलती का एहसास हुआ और फिर उन्होंने सभी को बैठने का अनुरोध किया। अंत में ईओ नगर परिषद ने अपने कार्यालय से बाहर आकर शहरवासियों का मांग पत्र प्राप्त किया। जिसमें विभिन्न मांगों को पूरा करने संबंधी ईओ व पंजाब सरकार से मांग की। उन्होंने कहा कि यदि उनकी मांगों को जल्द पूरा नहीं किया गया तो वह संघर्ष तेज करेंगे जिसकी सारी जिम्मेवारी प्रशासन की होगी।

शहीद भगत सिंह कालेज आफ नर्सिंग सोढेवाला फिरोजपुर में की गई पोषण सप्ताह की शुरुआत

- ऐसी शैक्षिक गतिविधियां विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि कर उन्हें समाज को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी देने को तैयार करती है: धर्मपाल बांसल

डेली आवाज भारती



शहीद भगत सिंह कालेज आफ नर्सिंग सोढेवाला फिरोजपुर में शुरु किए गए पोषण सप्ताह में हिस्सा लेते हुए प्रबंधक और छात्राऐं।

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): शहीद भगत सिंह कॉलेज ऑफ नर्सिंग सोढेलवाला फिरोजपुर में विश्व स्वास्थ्य संगठन और पंजाब सरकार की तरफ से अर्धारित (01/09/2026 से 07/09/2026) पोषण सप्ताह मनाने की शुरुआत की गई। मालूम हो कि इस वर्ष 2026 की थीम डिस्कवर द पावर ऑफ न्यूट्रिशन रखी गई है और पोषण की शक्ति को जानने का अर्थ है यह समझना कि हम जो भोजन खाते हैं, वह हमारे शरीर और मन पर कैसे प्रभाव डालता है। पौष्टिक भोजन शरीर के विकास, मजबूत हड्डियों, अच्छी रोग-प्रतिरोधक क्षमता और स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न प्रकार के पौष्टिक डाइट तैयार करके उनकी प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न पोषक तत्वों जैसे प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, खनिज पदार्थ और फाइबर के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने बताया कि स्वस्थ जीवन के लिए दैनिक खुराक में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दालें, दूध और दूध से बने पदार्थ, अनाज और अन्य पौष्टिक भोजन को शामिल करना जरूरी है। विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई विभिन्न डाइट के माध्यम से यह भी समझाया गया कि उम्र, शारीरिक आवश्यकता और स्वास्थ्य की स्थिति के अनुसार डाइट का चयन कैसे किया जाना चाहिए। इसके अलावा जंक फूड, बहुत ज्यादा तली हुई चीजें और अधिक मीठे भोजन से परहेज करने के बारे में भी जागरूक किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी तैयार की गई डाइट के बारे में शिक्षकों और साथियों को विस्तृत जानकारी दी और पौष्टिक भोजन से जुड़े सवालों के जवाब भी दिए। मालूम हो कि इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पोषण संबंधी ज्ञान बढ़ाना और उन्हें स्वस्थ खान-पान की आदतों के प्रति प्रेरित करना है। इस अवसर पर धर्मपाल बासल निर्देशक शहीद भगत सिंह कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सोढेलवाला, फिरोजपुर, संस्थापक भगति भजन ग्रुप और हार्मनी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज ने कहा कि ऐसी शैक्षिक गतिविधियां विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि करने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में समाज को स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी देने के लिए भी तैयार करती हैं। इस अवसर पर कॉलेज के प्रिंसिपल सुखदीप कौर, डा.संजीव मानकटाला, शरणजीत कौर, सुखविंदर कौर, गुरदीप कौर, जगदेव सिंह, अमनदीप कौर, संगीता हांडा, गुरमीत कौर, अमनदीप कौर, खुशपाल कौर, गुरप्रीत कौर, रमनदीप कौर, सुखमनदीप कौर, गीतांजलि, अमनदीप कौर, कोमलजीत कौर, अमनदीप कौर, बलविंदर कौर, कोमलप्रीत कौर, सुखवीर कौर, अमनदीप कौर, मनप्रीत कौर, आंचल आदि शामिल थी।

एस.डी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नागरिक सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डेली आवाज भारती



एस.डी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में नागरिक सुरक्षा संबंधी आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में जानकारी देते हुए अधिकारी।

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): पुलिस महानिदेशक-कम-कमांडेंट जनरल पंजाब होमगार्डज एवं निर्देशक नागरिक सुरक्षा पंजाब राम सिंह के निर्देशानुसार, उपायुक्त फिरोजपुर-कम-नियंत्रक नागरिक सुरक्षा श्रीमती दीपशिखा शर्मा एवं बटालियन कमांडर पंजाब होमगार्डज फिरोजपुर-कम-अतिरिक्त नियंत्रक नागरिक सुरक्षा गुरलवदीप सिंह के आदेशानुसार स्थानीय एस.डी सीनियर सेकेंडरी स्कूल फिरोजपुर में नागरिक सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नागरिक सुरक्षा के महत्व और कार्यक्षेत्रों के बारे में जानकारी देना था। कार्यक्रम की शुरुआत स्टोर अधीक्षक नागरिक सुरक्षा फिरोजपुर परमिंदर सिंह बाठ द्वारा नागरिक सुरक्षा के बारे में परिचय देकर की गई। इसके पश्चात उन्होंने विद्यार्थियों को एयर रेड वार्निंग (हवाई हमले की चेतावनी) देने वाले साइरन सिस्टम के बारे में जानकारी दी और मौके पर ही साइरन का डेमो भी कराया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों को प्राकृतिक आपदा भूकंप आने पर स्वयं के बचाव और बचाव कार्य (रेस्क्यू) संबंधी जानकारी डेमो करके दी गई। विद्यार्थियों और स्कूल के समस्त स्टाफ ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य पुष्पक मैनी और प्रबंध समिति के अध्यक्ष गगन सिंघल, वरिंदर मोहन सिंघल (अध्यक्ष) ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों की मानसिक और व्यवहारिक योग्यता बढ़ाने में सहायक होते हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि उनके द्वारा स्कूल के स्टाफ और विद्यार्थियों को भी सी.डी वॉरियर ऐप पर एनरोल कराया जाएगा और एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर नागरिक सुरक्षा ऐप पर एनरोल्ड शिक्षकों और विद्यार्थियों को शामिल कर नागरिक सुरक्षा कार्यालय से तालमेल रखा जाएगा, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में अग्रिम रूप से तैयार रहा जा सके। इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा फिरोजपुर की ओर से कंपनी कमांडर अनीश गुप्ता और टीम के सदस्य प्रतीक मोंगा (डी.आर), जतिंदर सिंह (वाई.उप) भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में स्कूल के प्रधानाचार्य पुष्पक मैनी और समूह स्टाफ द्वारा स्टोर अधीक्षक परमिंदर सिंह बाठ का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए धन्यवाद किया गया।

विवेकानंद वर्ल्ड स्कूल में शानदार जिला स्तरीय फेंसिंग मुकाबलें आयोजित

डेली आवाज भारती



विवेकानंद वर्ल्ड स्कूल में आयोजित जिला स्तरी फेंसिंग मुकालों में हिस्सा लेते छात्र और विजेताओं को सम्मानित करते हुए प्रबंधक।

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): विवेकानंद वर्ल्ड स्कूल में 'खेल वतन पंजाब दीयां' के तहत जिला स्तरीय फेंसिंग (तलवारबाजी) मुकाबले का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने बढ़-चढे र हिस्सा लिया। इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए स्कूल के डायरेक्टर डा.एस.एन रुद्रा ने बताया कि स्कूल के भीतर हुए इस मुकाबले के दौरान बच्चों ने अपनी खेल कला का शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते और स्कूल के फेंसिंग कोच कांगबाम काने सिंह की देखरेख और कड़ी मेहनत के तहत खिलाडि़ों ने बहुत ही शानदार मुकाबले पेश किए। इस दौरान अंडर-17 लडे़ों के वर्ग में विवेकानंद वर्ल्ड स्कूल के पुष्प नाथ ने गोल्ड मेडल और सिमरजीत सिंह ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि डी.सी.एम के रितमनबीर सिंह और वी.डब्ल्यू.एस के युवराज शर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल हासिल करके सराहनीय प्रदर्शन किया। इसी तरह लड़कियों के वर्ग में डी.सी.एम की जयप्रीत कौर ने गोल्ड और शहनाज कौर ने सिल्वर मेडल जीता, जबकि विवेकानंद वर्ल्ड स्कूल की सुप्रीत कौर और परनीत कौर ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। इन विजेता खिलाडि़ों को मेडल देने की रस्में स्कूल की सचिव डॉली भास्कर, वी.पी एडमिन महिमा कपूर, वी.पी अकादमीक शिप्रा अरोड़ा, चीफ एडमिनिस्ट्रेटर परमवीर शर्मा, स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर दर्शन सिंह, रणजीत सिंह, जसप्रीत सिंह और कुलविंदर सिंह द्वारा संयुक्त रूप से निभाई गई। डा.रुद्रा ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और शारीरिक तंदुरुस्ती को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं और स्कूल हर बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा वचनबद्ध है।

फिरोजपुर मंडल के लुधियाना पार्सल कार्यालय में बुकिंग की सुविधा अब 24 घंटे होगी उपलब्ध : अधिकारी

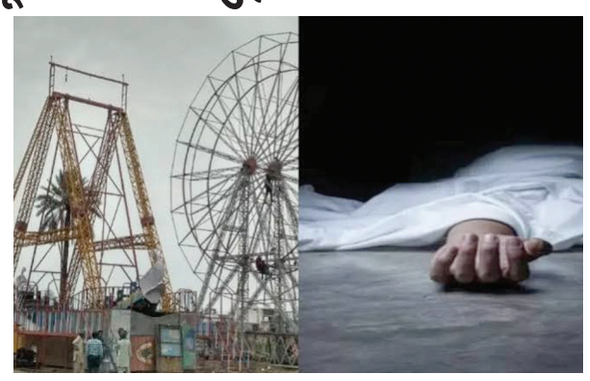


डेली आवाज भारती

फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): फिरोजपुर मंडल द्वारा यात्रियों एवं व्यापारियों की सुविधा हेतु लुधियाना पार्सल कार्यालय में बुकिंग की सुविधा 01 सितंबर 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। इस अवधि के दौरान ग्राहक अपने पार्सल की बुकिंग रेलवे काउंटर से करवा सकेंगे। लुधियाना देश के प्रमुख होजरी एवं टेक्सटाइल व्यापारिक केंद्रों में से एक है। होजरी सीजन के दौरान यहां से बड़ी मात्रा में कपड़े, होजरी उत्पाद एवं अन्य व्यापारिक सामान देश के विभिन्न हिस्सों में भेजे जाते हैं। इस अवधि में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ने के कारण पार्सल बुकिंग की मांग भी बढ़ जाती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए फिरोजपुर मंडल द्वारा व्यापारियों, ग्राहकों एवं यात्रियों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। रेलवे प्रशासन के अनुसार फिरोजपुर मंडल द्वारा व्यापारियों एवं यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक, पारदर्शी और समयबद्ध पार्सल सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा रहा है। 24 घंटे पार्सल बुकिंग की सुविधा उपलब्ध होने से व्यापारियों को अपने सामान की बुकिंग में अधिक लचीलापन मिलेगा तथा रेलवे के माध्यम से माल परिवहन को भी बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों एवं व्यापारियों से अपील है कि वे किसी अनधिकृत व्यक्ति या एजेंट के माध्यम से बुकिंग न करवाएं तथा रेलवे की अधिकृत पार्सल बुकिंग सुविधा का ही लाभ उठाएं।

फिरोज़पुर मेले में हुआ हादसा, बिजली का करंट लगने से 8 साल की मासूम बच्ची की हुई दर्दनाक मौत

डेली आवाज भारती



फिरोजपुर, (अमनदीप गिरधर): फिरोज़पुर कैंट बोर्ड की जमीन पर लगाए गए मेले में हुए एक भयानक हादसे ने सभी के दिल दहला दिए हैं। मेले की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गईं, जब बिजली के तेज झटके लगने से एक 8 साल की मासूम बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। मालूम हो कि फिरोज़पुर में आयोजित एक स्थानीय मेले में प्रबंधकों की लापरवाही एक मासूम के लिए जानलेवा साबित हुई और मृत बच्ची की पहचान 8 साल की दीवांशी के रूप में हुई है, जोकि अपने परिवार के साथ मेला देखने आई थी। हँसती-खेलती बच्ची अचानक मेले में लटक रहे बिजली के नंगे तारों की चपेट में आ गई और तारों में बिजली का प्रवाह बहुत तेज़ था, जिसके कारण बच्ची को जोरदार करंट लगा और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दीवांशी के पिता धर्मप्रताप और रिश्तेदार अमन ने मेला प्रबंधकों और संबंधित प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर मेला क्षेत्र में बिजली के नंगे तारों को सही तरीके से ढक्का जाता या सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाते, तो आज उनकी बेटी उनके साथ जिंदा होती। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थानों पर ऐसे बड़े मेलों के आयोजन के दौरान लोगों की सुरक्षा को बिल्कुल नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसका खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर भुगतना पड़ता है। घटना के बाद पीड़ित परिवार और स्थानीय लोगों द्वारा न्याय की जोरदार मांग की जा रही है। परिवार ने बिजली व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों, मेला आयोजकों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इस दर्दनाक मामले की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जाँच की जा रही है।

70वी जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में सेंट रविदास गुरुकुल के बच्चों ने मारी बाजी

डेली आवाज भारती



70वीं जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जीत हासिल करने वाले सेंट रविदास गुरुकुल के बच्चों को सम्मानित करते हुए स्कूल के प्रबंधक।

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर):: 70वीं जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल गुद्दड़ ढंडी में आयोजित की गई थी। जिसमें विभिन्न जोन के कई खिलाडि़ों ने हिस्सा लिया और सेंट रविदास गुरुकुल स्कूल के बच्चों ने रिदमिक योग और आसन में भाग लिया एवं राज्य स्तरीय खिलाडि़ों को मात दी। मालूम हो कि सेंट रविदास गुरुकुल स्कूल के आरव पुत्र ओम प्रकाश, लव पुत्र संदीप कुमार, अरमान पुत्र छिंदर पाल ने बहुत अच्छा प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई और अंडर 17 लडे़ों में दूसरा स्थान हासिल कर अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया। इस दौरान योग कोच श्रीमान हरीश कुमार ने कहा कि इन बच्चों ने पिछले 15 दिनों से बहुत कड़ी मेहनत की है और प्रतियगिता में दूसरा स्थान मिलना हमारे लिए पहले स्थान से कम नहीं है। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल और मैनेजमेंट कमेटी की सदस्य प्रसंता रानी ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि योग हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखता है, हमें तुम पर गर्व है। स्कूल पहुंचने पर पूरी टीम का फूलों के हारों से स्वागत किया गया और सुबह की सभा में सम्मानित किया गया। यहां बताने योगय है कि अब यह टीम आगे होने वाली राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करेगी।

एस.यू.एस यूनिवर्सिटी कांस्टीट्यूएंट कॉलेज गुरुहरसहाय में मतदाता पंजीकरण अभियान की हुई शुरुआत

डेली आवाज भारती



एस.यू.एस यूनिवर्सिटी कांस्टीट्यूएंट कॉलेज गुरुहरसहाय में मतदाता पंजीकरण अभियान में छात्रों को जानकारी देते हुए अधिकारी।

गुरुहरसहाय, (अमनदीप गिरधर): जिला चुनाव अधिकारी-कम-उपायुक्त फिरोजपुर श्रीमती दीपशिखा शर्मा और उच्च शिक्षा विभाग, पंजाब सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार विधानसभा हलका 78-गुरुहरसहाय के तहत शहीद उधम सिंह यूनिवर्सिटी कांस्टीट्यूएंट कॉलेज गुरुहरसहाय में विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कॉलेज के प्रत्येक योग्य छात्र को मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करना और युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय व जिम्मेदार भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना है एवं विशेष रूप से उन युवाओं और पहली बार मतदाता बनने वाले छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। इस दौरान मतदाता पंजीकरण अधिकारी-कम-एस.डी.एम गुरुहरसहाय स.हरदीप सिंह, प्राचार्य डा.सुनील खोसला, जिला स्वीप नोडल अधिकारी डा.सतिन्द्र, चुनाव तहसीलदार स.सुखदेव सिंह और अधीक्षक केवल कृष्ण ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र को और मजबूत बनाने के लिए हर योग्य युवा का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना बहुत महत्वपूर्ण है। जिक्रयोग है कि अभियान के तहत प्रो. वरुण मैनी और प्रो.किरनदीप कौर, तकनीकी विशेषज्ञों की टीम के सहयोग से, छात्रों को ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण संबंधी व्यावहारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जा रहा है। छात्रों को भारतीय चुनाव आयोग के मतदाता पंजीकरण पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया समझाई जा रही है, ताकि वह अपना पंजीकरण सुचारू रूप से पूरा कर सकें। इस संपूर्ण अभियान का तालमेल चुनाव कानूनगो मैडम गगनदीप, स्वीप कोऑर्डिनेटर परविंदर सिंह सोढ़ी और गुरजोत सिंह ढिल्लों द्वारा किया जा रहा है। कैंपस एंबेसडर मनीषा और शुभेंद्र सिंह सहित कॉलेज के फैकल्टी सदस्य भी अभियान में सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। टीम द्वारा योग्य छात्रों तक पहुंच बनाने, मतदाता नामांकन के प्रति जागरूकता पैदा करने और ऑनलाइन पंजीकरण को सुचारू बनाने के लिए संयुक्त प्रयास किए जा रहे हैं। कॉलेज प्रशासन ने योग्य छात्रों से इस विशेष अवसर का अधिकतम लाभ उठाने और मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदार भूमिका निभाने की अपील की।

CMYK

page 5_Layout 1 01-09-2026 19:36 Page 1

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'खेडां वतन पंजाब दियां-2026' की तैयारियों का लिया जायजा

'खेडां वतन पंजाब दियां' में 10 लाख खिलाड़ी लेंगे हिस्सा: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

- 'खेडां वतन पंजाब दियां' में 38 खेलों के मुकाबले और चार पैरा-खेल होंगी शामिल: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- 'खेडां वतन पंजाब दियां' के लिए क्यू.आर. कोड आधारित पंजीकरण की शुरुआत

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़,राहुल गोयल : पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 5 सितंबर को बठिंडा के शहीद भगत सिंह स्टेडियम से शुरू होने जा रहे 'खेडां वतन पंजाब दियां-2026' के चौथे सीजन के लिए आज अधिकारियों को पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राज्य के इस सबसे बड़े खेल आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस वर्ष लगभग 10 लाख खिलाड़ियों के इसमें हिस्सा लेने की उम्मीद है, जबकि 38 खेलों के मुकाबले और चार पैरा-खेल पूरे पंजाब की खेल प्रतिभा को तराशने और निखारने के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करेंगे। इस बैठक की कुछ झलकियां साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर लिखा, ÷आज 'खेडां वतन पंजाब दियां-2026' के आगामी सीजन की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ अहम बैठक की और प्रबंधों का जायजा लिया। हमारी सरकार पंजाब की जवानी को खेलों से जोड़ने और राज्य को फिर से खेलों में नंबर एक बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इन खेलों में हिस्सा लेने वाले विजेता खिलाड़ियों के लिए आकर्षक नकद पुरस्कारों की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने आगे लिखा, ÷मैं पंजाब के सभी युवाओं और खेल प्रेमियों से अपील करता हूं कि वे इन खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। क्यू.आर. कोड स्कैन करें और आज ही अपना पंजीकरण करवाएं। आइए, मिलकर पंजाब को खेलों में फिर से अग्रणी राज्य बनाएं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷यह बहुत ही गर्व और संतुष्टि की बात है कि इस वर्ष इन खेलों में लगभग 10 लाख खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 'खेडां वतन पंजाब दियां' पंजाब के हर गांव, कस्बे और शहर से छिपी हुई खेल प्रतिभा की पहचान करने, उसे प्रोत्साहित करने, तराशने और निखारने का सबसे बेहतरीन मंच है।÷ न खेलों की विशेषता का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'खेडां वतन पंजाब दियां' विभिन्न पीढ़ियों के लोगों को एकजुट करती हैं। उन्होंने बताया कि ÷पिछले सीजनों में एक ही परिवार की तीन पीढ़ियों-दादा, पुत्र और पोते ने इन खेलों में हिस्सा लिया था। उन्होंने बताया कि इस सीजन में 14 वर्ष से लेकर 70 वर्ष से अधिक आयु तक के 9 आयु वर्गों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। कुल 38 खेल प्रतियोगिताएं करवाई जाएंगी, जबकि चार पैरा-खेल–एथलेटिक्स, पावरलिफ्टिंग, बैडमिंटन और व्हीलचेयर बास्केटबॉल–को भी शामिल किया गया है।

इन खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजीकरण प्रक्रिया को सरल और पूरी तरह निःशुल्क बनाया गया है। उन्होंने कहा, ÷खेल विभाग ने पहली बार क्यू.आर. कोड आधारित पंजीकरण की सुविधा शुरू की है, जिससे खिलाड़ी किसी भी समय और कहीं से भी पंजीकरण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि खिलाड़ी 'खेडां वतन पंजाब दियां' के लिए पहली बार शुरू की गई क्यू.आर. कोड आधारित सुविधा के माध्यम से या sports.punjab.gov.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ÷पंजाब स्पोर्ट्स पोर्टल के माध्यम से यह सभी के लिए महज 15 सेकंड की बेहद सरल प्रक्रिया है। मैं खिलाड़ियों से अपील करता हूं कि वे अपना विवरण दर्ज करें और प्रतियोगिता के लिए तैयार हो जाएं।÷

खेलों के लिए पंजीकरण फिलहाल जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों की भागीदारी को आसान बनाने और अधिक से अधिक युवाओं तथा खेल प्रेमियों को इस टूर्नामेंट से जोड़ने के लिए यह तेज और सरल प्रक्रिया शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷इन खेलों के माध्यम से सरकार का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।÷ उन्होंने आगे बताया कि ये प्रतियोगिताएं ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पहली बार लड़कों और लड़कियों, दोनों के लिए टेनिस बॉल क्रिकेट को 'प्रदर्शनी खेल' के रूप में शामिल किया गया है, जो उभरते खिलाड़ियों को भाग लेने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करेगा।

श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित मैराथन

- डिप्टी कमिश्नर सहित विभिन्न अधिकारियों और सैकड़ों विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा
- डिप्टी कमिश्नर ने पहले तीन स्थानों पर आने वाले धावकों के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की
- 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित पौधे भी लगाए गए

डेली आवाज भारती



बरनाला। पंजाब सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत जिला प्रशासन और खेल विभाग बरनाला द्वारा यहां कचहरी चौक से श्री गुरु रविदास चौक तक 5 किलोमीटर मैराथन (समानता के लिए दौड़) का आयोजन किया गया, जिसे डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह आईएएस ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह, एसएसपी मोहम्मद सरफराज आलम, स्पोर्ट्स वेलफेयर बोर्ड के बरनाला विधानसभा क्षेत्र के चेयरमैन अरविंद तेजपाल सहित विभिन्न अधिकारियों ने युवाओं/खिलाड़ियों के साथ दौड़कर उनका हौसला बढ़ाया। इस मैराथन में विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के सैकड़ों विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। डिप्टी कमिश्नर हरप्रीत सिंह ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी के 650वें प्रकाश पर्व को समर्पित मैराथन आज आयोजित की गई, जिसके माध्यम से जहां सामाजिक समानता और एकता का संदेश दिया गया, वहीं युवाओं को खेलों से जुड़ने का आह्वान भी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने मैराथन में पहले तीन स्थान हासिल करने वाले लड़कों और लड़कियों को जहां पदकों से सम्मानित किया, वहीं दोनों वर्गों में प्रथम पुरस्कार 10 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार 8 हजार रुपये और तृतीय पुरस्कार 5 हजार रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर लड़कों में पहला स्थान ताजोके निवासी अरमान सिंह और लड़कियों में पहला स्थान पखों कलां निवासी हरविंदर कौर ने हासिल किया। इस अवसर पर सभी अधिकारियों द्वारा श्री गुरु रविदास जी के प्रकाश पर्व को समर्पित पौधे भी लगाए गए। इस अवसर पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) हरजिंदर सिंह बेदी, एसडीएम बरनाला डॉ. अजीतपाल सिंह चहल, जिला खेल अधिकारी रुपेश कुमार बेगड़ा और समस्त कोच, सिविल सर्जन डॉ. हरिपाल सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी बरजिंदरपाल सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा विद्यार्थी/खिलाड़ी मौजूद थे।

गांव सहिणा में 32 लाख रुपये की लागत से तैयार खेल मैदान युवाओं को समर्पित

पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को खेलों से जोड़ने और नशा-मुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार प्रयास जारी : लाभ सिंह उगोके

डेली आवाज भारती



बरनाला/सहिणा। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा राज्य में खेलों को बढ़ावा देने और गांवों में खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी के तहत गांव सहिणा में 32 लाख रुपये की लागत से शानदार खेल मैदान का नवीनीकरण कर इसे युवाओं के लिए तैयार करके समर्पित किया गया है। इस संबंधी जानकारी साझा करते हुए विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री लाभ सिंह उगोके ने बताया कि यह खेल मैदान क्षेत्र के युवाओं को खेलों से जोड़ने, उनके अंदर छिपी प्रतिभा को निखारने तथा स्वस्थ और नशा-मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि गांवों के युवाओं में अपार प्रतिभा है, जिसे सही मंच प्रदान करने में यह खेल मैदान अहम भूमिका निभाएगा। विधायक लाभ सिंह उगोके ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान जी के योग्य नेतृत्व में पंजाब में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ युवाओं के लिए खेलों के बेहतर अवसर भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं। पंजाब सरकार का मुख्य लक्ष्य युवा पीढ़ी को खेल मैदानों की ओर मोड़ना है, ताकि 'रंगला पंजाब' का सपना साकार किया जा सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों और विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे इस खेल मैदान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाएं। इस अवसर पर विभिन्न पदाधिकारी और पंचायती प्रतिनिधि मौजूद थे।

ब्लैक फिल्म और मिटाई हुई नंबर प्लेट वाली थार पर पंचकूला पुलिस का शिकंजा, 11,500 रुपये का चालान

डेली आवाज भारती



पंचकूला/भार्गव गोयल : पंचकूला शहर में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्ती और बढ़ा दी है। वाहनों पर प्रतिबंधित ब्लैक फिल्म लगाने, नंबर प्लेट से छेड़छाड़ करने या उसे इस तरह बदलने कि वाहन की पहचान स्पष्ट न हो सके, ऐसे मामलों में पंचकूला पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस ने ओल्ड पंचकूला के नजदीक चेकिंग के दौरान ब्लैक फिल्म लगी एक थार को रोककर जांच की, जिसके बाद वाहन चालक पर कुल 11,500 रुपये का चालान किया गया। पुलिस के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस की टीम ओल्ड पंचकूला क्षेत्र के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान टीम की नजर एक थार वाहन पर पड़ी, जिस पर ब्लैक फिल्म लगी हुई थी। पुलिसकर्मियों ने वाहन को रुकवाकर उसके दस्तावेज और नंबर प्लेट की जांच की। जांच के दौरान नंबर प्लेट भी मिटाई हुई पाई गई, जिससे वाहन की नंबर प्लेट निर्धारित मानकों के अनुरूप स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थी। पुलिस ने ब्लैक फिल्म के इस्तेमाल और नंबर प्लेट से छेड़छाड़ को यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन मानते हुए वाहन चालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की। पुलिस की ओर से थार का कुल 11,500 रुपये का चालान किया गया। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले किसी भी तरह के उल्लंघन को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। पंचकूला पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन की ओर से यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

लुधियाना में चीनी की बढ़ती कीमतों पर प्रशासन सख्त, जमाखोरी और कालाबाजारी की होगी जांच

डेली आवाज भारती

लुधियाना। चीनी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी और त्योहारी सीजन को देखते हुए लुधियाना जिला प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ निगरानी बढ़ा दी है। जिले में चीनी की कीमत करीब 64 से 66 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने के बाद प्रशासन ने यह कदम उठाया है। डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने चीनी की जमाखोरी और कालाबाजारी की जांच के लिए सब-डिवीजन स्तर पर कमेटियों का गठन किया है। इन कमेटियों की अध्यक्षता संबंधित एसडीएम करेंगे। कमेटियों में एसीपी/डीसीपी, संबंधित तहसीलदार या नायब तहसीलदार, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारी तथा मंडी बोर्ड/मार्केट कमेटी के अधिकारी शामिल होंगे। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि त्योहारी सीजन से पहले चीनी की जमाखोरी किए जाने की रिपोर्टें सामने आई हैं। इसी के मद्देनजर कमेटियां दुकानों, डीलरों और स्टॉकिस्टों की नियमित जांच करेंगी, ताकि चीनी को अवैध रूप से जमा करने या निर्धारित कीमत से अधिक पर बेचने की किसी भी कोशिश को रोका जा सके। प्रशासन ने कमेटियों को चीनी मिलों, बड़े डीलरों और स्टॉकिस्टों के परिसरों की भी गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान मौके पर मौजूद चीनी के स्टॉक का मिलान स्टॉक रजिस्टर में दर्ज मात्रा से किया जाएगा। साथ ही यह भी जांचा जाएगा कि रजिस्टर में दर्ज चीनी वास्तव में निर्धारित तरीके से सप्लाई की गई है या नहीं।

पंजाब पुलिस में बड़ा फेरबदल, कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले और नई नियुक्तियों के आदेश जारी किए हैं। राज्यपाल के आदेश पर किए गए इस बदलाव के तहत कई जिलों के एसएसपी बदले गए हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। गुरप्रीत सिंह भुल्लर को आईजीपी बॉर्डर रेंज, अमृतसर नियुक्त किया गया है, जबकि हरमनबीर सिंह को पुलिस कमिश्नर, अमृतसर के पद पर तैनात किया गया है। एसएसपी मानसा रहे भागीरथ सिंह मीणा को एआईजी पर्सोनल-1, सीपीओ पंजाब बनाया गया है। उनकी जगह वैभव चौधरी को एसएसपी मानसा की जिम्मेदारी दी गई है। पटियाला और एसएएस नगर (मोहाली) के एसएसपी की अदला-बदली भी की गई है। वरुण शर्मा को एसएसपी एसएएस नगर नियुक्त किया गया है, जबकि हरमनदीप सिंह हंस को एसएसपी पटियाला बनाया गया है। वहीं, सुहैल कासिम मीर को एसएसपी बठिंडा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बठिंडा की एसएसपी रहीं ज्योति यादव को स्थानांतरित कर कमांडेंट, 82वीं बटालियन पीएपी, चंडीगढ़ नियुक्त किया गया है। सरकार ने सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए पदों का कार्यभार संभालने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि ये तबादले प्रशासनिक आधार पर सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बाद किए गए हैं। इससे पहले पंजाब सरकार ने अमृतसर के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर का तबादला कर दिया था। उनकी जगह बॉर्डर रेंज के डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल को अमृतसर पुलिस कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आधिकारिक आदेश के अनुसार, गुरप्रीत सिंह भुल्लर को तत्काल प्रभाव से पद से हटाकर चंडीगढ़ स्थित पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय में रिपोर्ट करने के लिए कहा गया। यह तबादला ऐसे समय में हुआ, जब अमृतसर पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने इस कार्रवाई में चार नाबालिगों समेत नौ लोगों को पकड़ा था। उनके पास से हथियार बरामद हुए थे, उनमें चार पेट्रोल बम भी शामिल थे। जांच में सामने आया था कि आरोपी विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलर्स के इशारे पर काम कर रहे थे और स्थानीय युवाओं की भर्ती, सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी, अवैध हथियारों की खरीद तथा शांति भंग करने की साजिश रच रहे थे।

विवाद तब खड़ा हुआ जब पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर की प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इन वीडियो के आधार पर जंतर मंतर पर चल रहे प्रदर्शनों को आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल से जोड़ने की कोशिश की गई।

खालसा कॉलेज में मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल का दूसरा दिन 1965 के युद्ध पर रहा केंद्रित

1965 का युद्ध इतिहास का केवल एक अध्याय नहीं, बल्कि पंजाब की धरती, इसके बहादुर लोगों और भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस की जीवंत गाथा : लेफ्टिनेंट जनरल जे. एस. चीमा









डेली आवाज भारती

अमृतसर। -खालसा कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय मिलिट्री लिटरेचर फेस्टिवल के दूसरे दिन वर्ष 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के इतिहास, युद्ध के दौरान अमृतसर एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के रणनीतिक महत्व तथा स्थानीय लोगों द्वारा निभाई गई भूमिका पर ब्रिगेडियर सतिंदर सिंह ने विशेष व्याख्यान दिया। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. आत्म सिंह रंधावा के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को देश की सुरक्षा, सैन्य इतिहास और सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के बलिदानों से अवगत करवाया।

इस अवसर पर ब्रिगेडियर सतिंदर सिंह ने कहा कि हमारी वास्तविक ताकत केवल हथियारों में नहीं, बल्कि सैनिकों के हौसले, लोगों की एकता और देश के प्रति अटूट विश्वास में है। उन्होंने कहा कि 1965 के युद्ध की स्मृतियां हमें यह संदेश देती हैं कि जब देश की एकता और अखंडता की बात आती है तो पंजाब की धरती हमेशा अग्रणी रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने 1965 के युद्ध के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि इस दौरान पंजाब का सीमावर्ती क्षेत्र युद्ध का एक महत्वपूर्ण मोर्चा बन गया था। उन्होंने कहा कि 6 सितंबर 1965 को भारतीय सेना ने पंजाब के रास्ते अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर लाहौर सेक्टर में कार्रवाई की। इसका एक महत्वपूर्ण रणनीतिक उद्देश्य पाकिस्तानी सेना को पंजाब मोर्चे पर व्यस्त रखना और जम्मू-कश्मीर में उसकी कार्रवाई को प्रभावित करना था। उन्होंने अमृतसर की भौगोलिक और रणनीतिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के बेहद निकट होने के कारण अमृतसर 1965 के युद्ध के दौरान एक संवेदनशील क्षेत्र था। अमृतसर के आसपास के सीमावर्ती गांवों और इलाकों में युद्ध का सीधा प्रभाव महसूस किया गया। सीमा के निकट होने के कारण इन क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और कई परिवारों को अस्थायी रूप से सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल टी. एस. शेरगिल ने खेमकरण और असल उत्तर की लड़ाई को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि 8 से 10 सितंबर के बीच हुई असल उत्तर की लड़ाई ने पंजाब मोर्चे पर भारतीय सेना की रणनीतिक क्षमता और बहादुरी का ऐतिहासिक उदाहरण प्रस्तुत किया। इस लड़ाई में पाकिस्तानी सेना के बड़ी संख्या में पैटन टैंक नष्ट हुए और भारतीय रक्षा बलों ने उसके आगे बढ़ने को रोक दिया। इसी युद्ध के दौरान कंपनी क्वार्टर मास्टर हवलदार अब्दुल हमीद ने असाधारण बहादुरी का परिचय देते हुए परमवीर चक्र प्राप्त किया।

उन्होंने कहा कि यह युद्ध केवल सैन्य संघर्ष की कहानी नहीं, बल्कि पंजाब के लोगों, किसानों और सीमावर्ती गांवों के साहस की भी गाथा है। सीमावर्ती लोगों ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद सुरक्षा बलों के साथ सहयोग किया और देश की रक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस दौरान लेफ्टिनेंट जनरल जे. एस. चीमा, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम ने पंजाब और जम्मू-कश्मीर में 1965 के युद्ध से पहले की लड़ाइयों के समग्र परिदृश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 1965 का युद्ध केवल इतिहास का एक अध्याय नहीं, बल्कि पंजाब की धरती, इसके बहादुर लोगों और भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस की जीवंत गाथा है। उन्होंने कहा कि अमृतसर और सीमा से सटे गांवों ने उस समय जिस हिम्मत, संयम और देशभक्ति का प्रदर्शन किया, वह आज की पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि सीमा पर खड़ा सैनिक जहां देश की रक्षा करता है, वहीं सीमावर्ती क्षेत्रों का प्रत्येक नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी निभाकर राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देता है। इस दौरान प्रिंसिपल डॉ. रंधावा ने कहा कि इस फेस्टिवल का उद्देश्य युवा पीढ़ी को भारत के सैन्य इतिहास, सैनिकों की बहादुरी और देश की रक्षा के लिए दिए गए बलिदानों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने 1965 के युद्ध से संबंधित विचार-विमर्श में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सैन्य इतिहास को समझने में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने कहा कि इस फेस्टिवल के माध्यम से युवाओं को केवल युद्धों की कहानियां नहीं, बल्कि बलिदान, जिम्मेदारी, साहस और राष्ट्रीय एकता का अर्थ समझाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों को याद किया गया और उनकी विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक विनम्र प्रयास किया गया।

प्रकाशक एवं मुख्य संपादक - रीतू रानी। संस्थापक (फाउंडर) एवं स्थानीय संपादक (पंजाब) - हेमन्त मित्तल। चेयरमैन- श्रवण कुमार खरींटा । मैनेजिंग डायरेक्टर - धीरज महाजन , क्राइम आवाज इंडिया के लिए उन्हीं के द्वारा डेली आवाज भारती, बी-4/935, बैक साइड शिव मठ, राधा स्वामी स्ट्रीट बरनाला से प्रकाशित। सेनरा प्रिंटिंग प्रेस, भुटाना मोर, नजदीक ओल्ड पुलिस चौंकी, जी. टी रोड, नीलोखेरी, करनाल, हरियाणा - 132117 से मुद्रित। दूरभाष- प्रेस कार्यालय - 01762-505507 E-mail: dailyawazbharti@gmail.com, रजि. नं पीबीएचआईएन/26/ए2687 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा उनसे उत्पन्न समस्त विवाद बरनाला न्यायालय के अधीन होंगे।

CMYK

page 6_Layout 1 01-09-2026 14:52 Page 1

आवाज भारती फिल्मी तड़का





शादी के 5 महीने बाद अलग हो रहे बादशाह और ईशा रिखी

फैंस से बोले-प्राइवेसी का सम्मान करें

रैपर बादशाह और पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी शादी के 5 महीने बाद अलग हो रहे हैं। सोमवार को कपल ने एक ज्वॉइंट स्टेटमेंट के तहत इस बात की जानकारी दी है, जिससे दोनों के अलग होने की अटकलों पर विराम लग गया है। बादशाह और ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने अलग होने की बात कंफर्म करते हुए नोट जारी किया, जिसके जरिए उन्होंने फैंस और मीडिया से उनकी प्राइवेसी (निजता) का सम्मान करने की अपील की। लिखा, ÷मैंने और ईशा रिखी ने आपसी सहमति से अलग होने और अपने-अपने रास्तों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। यह फैसला आपसी सम्मान के साथ लिया गया है और हम सभी से रिक्वेस्ट करते हैं कि इस समय हमारी प्राइवेसी का सम्मान करें। उन्होंने आगे लिखा, ÷हम दोनों के अलग होने पर यह एकमात्र स्टेटमेंट है। हम दिल से गुजारिश करते हैं कि हमारे रिश्ते के बारे में कोई और अटकलें या अंदाजा न लगाया जाए। बता दें कि बादशाह और ईशा रिखी ने मार्च 2026 में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की थी। बताया जाता है कि दोनों करीब चार साल तक एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। शादी काफी प्राइवेट रखी गई थी, बाद में ईशा की मां पूनम रिखी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की थीं। यह बादशाह की दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी जैसमीन मसीह से 2012 में हुई थी, जिनसे उनका साल 2020 में तलाक हो गया था। उनकी एक बेटी भी है। गौरतलब है कि दोनों के अलग होने की खबर तब आई, जब ईशा रिखी सलमान खान के होस्ट किए गए शो 'बिग बॉस 20' में कंटेस्टेंट बनकर जा सकती हैं। ईशा रिखी पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने 'जट्ट बॉयज पुत्त जट्टां दे', 'अरदास' और 'हैप्पी गो लकी' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा 'नवाबजादे' से बॉलीवुड में डेब्यू भी कर चुकी हैं।



बिग बॉस 18 में एंट्री लेंगी ईशा रिखी

बोलीं-दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं

अभिनेत्री ईशा रिखी जल्द ही रियलिटी शो 'बिग बॉस-18' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वह अपनी असली पर्सनैलिटी को दिखाने के लिए इस सीजन में आना चाहती है। अभिनेत्री ने बताया, दर्शक मुझे अभी तक सिर्फ एक अभिनेत्री के तौर पर ही जानती है। मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि ईशा रिखी कौन हैं और मेरी पर्सनैलिटी के सभी अलग-अलग शेड्स देखें। अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि वे शो में किस तरह से गेम खेलेंगी। उन्होंने कहा, मैं असली रहूंगी क्योंकि मैं दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं। मुझे वो बनना नहीं पसंद है, जो मैं नहीं हूं। मैं शो को ईमानदारी से खेलने की कोशिश करूंगी और उम्मीद है कि इसे ईमानदारी से जीतूंगी भी। अभिनेत्री का मानना है कि शो में जाने के बाद उनका सबसे चैलेंज पब्लिक जजमेंट हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वे शो में सिचुएशन को किस तरह से डील करेंगी। उन्होंने कहा, जब मुझे लगेगा कि किसी तरह की बात को शांति से डील करना चाहिए, तो मैं उसे वैसे ही करूंगी, लेकिन जब सिचुएशन संभल नहीं रही, तो मैं जरूर सख्ती से पेश आऊंगी। आईएएनएस ने ईशा रिखी से सवाल किया, हमने बिग बॉस को कंटेस्टेंट्स के पिछले रिश्तों को घर में लाते देखा है, जिसमें उनके एक्स-पार्टनर भी शामिल हैं। आप ऐसी सिचुएशन से कैसे निपटेंगे? अभिनेत्री ने कहा, जो भी होगा, देखा जाएगा। मेरे पास इसके लिए कोई प्लान या तैयारी नहीं है। अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में अपनी मां की वजह से जा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर अपने दोस्तों के लिए आखिर तक जाती हूं और उनके लिए स्टैंड लेती हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि शो के अंदर मेरी दोस्ती कितनी स्ट्रांग होगी। मैं अच्छा खेलने जा रही हूं और मैं अपनी मां के लिए शो जीतना चाहती हूं। तो, जाहिर है, मैं ट्रॉफी को प्रायोरिटी देने की पूरी कोशिश करूंगी। उन्होंने आगे कहा, मैं एक इमोशनल इंसान हूं, इसलिए मुझे थोड़ा डर है कि कहीं इमोशंस या दोस्ती की वजह से मैं खुद को चोट न पहुंचा लूं, लेकिन इस बार, मेरा फोकस पक्का ट्रॉफी जीतने पर

आज तक नहीं बनाकर दी चाय, बोले- 'जो पीता नहीं, वो कैसे बनाएगा'



अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी को 52 साल बीत चुके हैं, लेकिन दोनों की कहानी आज भी लोगों की दिलचस्पी का हिस्सा बनी हुई है। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया और पर्दे पर भी उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। हाल ही में अमिताभ बच्चन ने अपनी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा एक खुलासा किया। बिग बी ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी जया बच्चन के लिए आज तक एक कप चाय तक नहीं बनाई है। दरअसल, 'कौन बनेगा करोड़पति 18' शो के एक एपिसोड में कंटेस्टेंट पद्मिनी ने अमिताभ बच्चन से पूछा कि क्या उन्होंने कभी अपनी पत्नी जया बच्चन के लिए चाय बनाई है। इस सवाल पर अमिताभ ने कहा कि उन्होंने कभी जया के लिए चाय नहीं बनाई। उन्होंने इसकी वजह बताते हुए कहा कि वह खुद चाय नहीं पीते और उन्हें चाय बनाना भी नहीं आता। अमिताभ ने कहा, 'देवी जी, देखिए, जो इंसान चाय नहीं पीता है, वो कैसे बनाएगा। हमने अक्सर देखा है कि पत्नी जी चाय इतना नहीं पीती हैं। पीती हैं, लेकिन कितना पीती हैं, हमें नहीं पता। और जो भी पीती हैं, वो हम बनाकर नहीं देते और हमें चाय बनाना नहीं आता।' बिग बी ने कहा, 'आजकल चाय बनाने के लिए एक पोटली आती है, जिसके साथ धागा लगा होता है। उसे गर्म पानी में डालने से चाय बन जाती है, लेकिन मैंने कभी उसका इस्तेमाल भी नहीं किया। अब मैं असली चाय बनाना सीख रहा हूं, ताकि अगर कभी पत्नी जी का चाय पीने का मन हुआ तो मैं उनके लिए चाय बना सकूं।'

कैटरीना कैफ हुईं बॉडी शेमिंग का शिकार, सपोर्ट में आई शिवालिका ओबेरॉय



अभिनेत्री कटरीना कैफ पिछली पब्लिक अपीयरेंस के बाद ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं, जिसके बाद अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय अब उनके सपोर्ट में सामने आई हैं। उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की मानसिकता वाले कितने बेतुके होते हैं। अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कटरीना कैफ की वो तस्वीर पोस्ट की, जिसे लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। तस्वीर पोस्ट कर अभिनेत्रीन शिवालिका ओबेयरॉय ने लिखा, 卐क्या हो गया है मतलब?!?! ये मातृत्व है!卐 उन्होंने लिखा, 卐नॉर्मल पोस्टपार्टम रिकवरी ऐसी ही दिखती है,अच्छी, बुरी, सूजन, थकान और बीच की हर चीज। 卐मातृत्व के ऐसे रूप का महिमामंडन करना बंद करें जो मौजूद ही नहीं है। पिछले कुछ दिनों में ऐसी कई पोस्ट देखने के बाद सोच रही हूं कि ये सोच कितनी बेतुकी है।卐 शिवालिका ओबेरॉय ने हाल ही में अपने बच्चे का स्वागत किया है, ऐसे में प्रेग्नेंसी के बाद शरीर में आए बदलावों को वे अच्छे से समझती हैं। ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी अभिनेत्री को प्रेग्नेंसी के बाद उसके बदलते लुक को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। इससे पहले पत्रलेखा समेत कई अभिनेत्री इस तरह की ट्रोलिंग का सामना कर चुकी हैं। दरअसल, अभिनेत्री कटरीना कैफ नवंबर 2025 में बेटे विहान के जन्म के बाद कैटरीना कैफ काफी समय तक लाइमलाइट से दूर थीं। वह 26 अगस्त 2026 को मुंबई में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंची थीं, जहां पैप्स ने उन्हें कवर किया था। अभिनेत्री के बढ़े हुए वजन (प्रेग्नेंसी के बाद के बदलाव) को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर उनके वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद कुछ ट्रोल्स ने उनके बदले हुए लुक और वजन को लेकर असंवेदनशील और भद्दे कमेंट्स किए। हालांकि, कैटरीना के तमाम फैंस ने ट्रोल्स को करारा जवाब दिया और उनका बचाव करते हुए कहा कि मां बनने के बाद शरीर में शारीरिक बदलाव होना बेहद सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया है।

CMYK

page 7_Layout 1 01-09-2026 15:36 Page 1

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट : छात्रों के खिलाफ दर्ज 129 एफआईआर रद्द, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- अब ये मामले इतिहास बन गए

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। **छात्रों** के विरोध-प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। दिल्ली समेत चार राज्यों में छात्र आंदोलनों के दौरान दर्ज की गई 129 स्वढ्ढक्रको खत्म करने का आदेश दिया गया है। केंद्र सरकार की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला सुनाया। दिल्ली समेत 5 राज्यों में दर्ज हुई थीं स्वढ्ढक्र प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली के अलावा बिहार, महाराष्ट्र, असम और पश्चिम बंगाल में भी छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे। इन सभी राज्यों में दर्ज कुल 129 स्वढ्ढक्र वापस लेने की प्रक्रिया को मंजूरी दी गई है। मंगलवार, 1 सितंबर को केंद्र सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इन मामलों को खत्म करने की मांग की। उन्होंने अदालत को बताया कि आंदोलन समाप्त कराने के दौरान सरकार की ओर से छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का आश्वासन दिया गया था।

केंद्र के बाद राज्यों ने भी दी केस वापस लेने की जानकारी सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने दिल्ली से जुड़े मामलों की सूची पेश की। इसके बाद बिहार, महाराष्ट्र, असम और पश्चिम बंगाल की ओर से भी मामलों को वापस लेने की याचिकाएं दाखिल की गईं। राज्यों ने अदालत को बताया कि वे अपने-अपने राज्यों में दर्ज संबंधित मामलों को वापस ले रहे हैं। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले पर फैसला सुनाते हुए कहा कि इन स्वढ्ढक्रपर अब आगे कोई कार्रवाई नहीं होगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि संबंधित मामले अब इतिहास का हिस्सा हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 142 के तहत मिले अपने अधिकार का इस्तेमाल करते हुए स्वढ्ढक्रखत्म करने का आदेश दिया। इस प्रावधान के तहत अदालत किसी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष आदेश जारी कर सकती है।

अन्य राज्यों के मामलों पर भी सुप्रीम कोर्ट की नजर

अदालत ने यह भी कहा कि अगर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन से संबंधित मामले किसी अन्य राज्य में दर्ज हैं, तो उनकी जांच को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए इस फैसले के बाद दिल्ली और चार राज्यों में छात्रों के खिलाफ दर्ज 129 स्वढ्ढक्रपर कानूनी कार्रवाई का रास्ता बंद हो गया है।

संभल जामा मस्जिद सर्वे मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली, अगली सुनवाई 8 सितंबर को

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को होने वाली सुनवाई टल गई। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी। यह मामला संभल की शाही जामा मस्जिद के कोर्ट कमिश्नर सर्वे को लेकर है। निचली अदालत ने शाही जामा मस्जिद का कोर्ट कमिश्नर सर्वे कराने का आदेश दिया था, जिसे इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरकरार रखा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इसी फैसले को मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि सर्वे का आदेश देना निचली अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। पिछली सुनवाई के दौरान हिंदू पक्ष ने इस मामले को प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट से जोड़े जाने का विरोध किया था। हिंदू पक्ष ने दलील दी थी कि यह मस्जिद पहले से ही एक संरक्षित स्मारक है, इसलिए यहां प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता। इससे पहले 28 जुलाई को इस विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। उस दौरान मुस्लिम पक्ष ने अपनी दलीलें अदालत के सामने रखी थीं। हालांकि, सुनवाई पूरी नहीं हो सकी थी, जिसके बाद सर्वोच्च अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 4 अगस्त की तारीख तय की थी। 4 अगस्त को हिंदू पक्ष की ओर से अपनी दलीलें पेश करने की बात कही गई थी। गौरतलब है कि संभल की शाही जामा मस्जिद को लेकर चल रहा यह विवाद पिछले कुछ समय से न्यायिक प्रक्रिया के केंद्र में बना हुआ है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने के बाद अब सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं। 8 सितंबर को होने वाली सुनवाई में दोनों पक्षों की दलीलों पर कोर्ट क्या रुख अपनाता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी है।

विनेश फोगाट मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई से मांगा जवाब, 29 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) से जवाब मांगा है। याचिका में फोगाट ने अपने खिलाफ जारी 'शो-कॉज नोटिस' और अनुशासनात्मक कार्रवाई को चुनौती दी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि वह इस मामले में कोई औपचारिक नोटिस जारी नहीं कर रही हैं। हाईकोर्ट ने डब्ल्यूएफआई के वकील से 29 सितंबर तक निर्देश प्राप्त करने को कहा है। 29 सितंबर को मामले की अगली सुनवाई होगी। फोगाट का कहना है कि 9 मई और 17 जून को उन्हें दो नोटिस जारी किए गए। यह डब्ल्यूएफआई की मनमानी और दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के सिलसिले का हिस्सा है। इसके माध्यम से मातृत्व अवकाश के बाद प्रतिस्पर्धी कुश्ती में उनकी वापसी में बाधा डाली गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने फोगाट की एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई की, जिसमें उन्होंने डब्ल्यूएफआई को निर्देश देने की मांग की थी कि वह गर्भावस्था के बाद महिला एथलीटों की प्रतिस्पर्धी खेलों में वापसी को नियंत्रित करने के लिए निष्पक्ष, संरचित और पारदर्शी दिशानिर्देश लागू करे।

विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक 2024 के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन ओवरवेट होने के बाद उन्हें फाइनल के लिए योग्य नहीं माना गया था और उन्हें मुकाबला खेलने से वंचित रहना पड़ा था। इसके बाद फोगाट ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती को अलविदा कह दिया था। लेकिन, अपने संन्यास के कुछ समय बाद विनेश के दिल में कुश्ती में देश के लिए ओलंपिक पदक जीतने की इच्छा जगी और उन्होंने कुश्ती में वापसी का ऐलान किया। विनेश ने ओलंपिक पदक को अपना लक्ष्य बताते हुए अभ्यास शुरू किया था, लेकिन वह एशियन गेम्स के लिए हुए ट्रायल में क्वालीफाई नहीं कर पाई। विनेश ने एशियन गेम्स के लिए हुए ट्रायल में अपने साथ भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा पक्षपात पूर्ण रवैया अपनाने और उनकी राह में बाधा डालने का आरोप लगाया था। 32 साल की विनेश एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं।

सरकार ने व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की लिमिट को घटाकर 2,000 क्विंटल किया, 15 सितंबर से 30 नवंबर तक रहेगी प्रभावी

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और बाजार में पर्याप्त मात्रा में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की लिमिट को 4,000 क्विंटल से घटाकर 2,000 क्विंटल कर दिया। यह नई सीमा 15 सितंबर से 30 नवंबर तक के लिए लागू रहेगी। मौजूदा समय में अभी, देश भर में चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक रखने की सीमा 4,000 क्विंटल है, जो 1 अगस्त, 2026 से लागू हुई थी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने अब स्टॉक रखने की सीमा को घटाकर 2,000 क्विंटल कर दिया है। नई समय-सीमा के तहत, कोई भी चीनी व्यापारी स्टॉक मिलने की तारीख से 30 दिनों से ज्यादा समय तक स्टॉक नहीं रखेगा और देश में किसी भी जगह या किसी भी समय 2,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी स्टॉक में नहीं रखेगा।

हालांकि, इलाके की खास बाजार जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के लिए स्टॉक रखने की सीमा 4,000 क्विंटल ही रहेगी।

बयान में आगे कहा गया, ÷इस कदम का मकसद जमाखोरी पर और रोक लगाना, सट्टेबाजी वाले व्यापार को हतोत्साहित करना और चीनी के स्टॉक को बहुत ज्यादा जमा होने से रोकना है। इससे सप्लाई चेन में चीनी की आवाजाही सुचारू रूप से हो सकेगी और उपभोक्ताओं को उचित कीमतों पर इसकी लगातार उपलब्धता सुनिश्चित होगी।÷

बयान में यह भी कहा गया कि कोलकाता इलाका उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से चीनी मंगाता है और देश के पूर्वी हिस्से, जिसमें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र भी शामिल है, में इसकी आपूर्ति करता है।

इस कारण कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के लिए 4,000 क्विंटल की मौजूदा सीमा को बरकरार रखा गया है।

रूस से ईरानी समकक्ष से हुई 'संक्षिप्त बात' श्रीहरिकोटा से 4 सितंबर को उड़ान भरेगा देश का पहला जियो-इमेजिंग सैटेलाइट

डेली आवाज भारती



बिश्केक। किर्गिस्तान की राजधानी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस डेलिगेशन में विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हैं। मंगलवार को उन्होंने रूसी और ईरानी समकक्षों संग हुई छोटी सी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की। एक्स पोस्ट में जयशंकर ने लिखा, एससीओ समिट 2026 से इतर ईरान और रूस के विदेश मंत्रियों से छोटी सी मुलाकात हुई। विदेश मंत्री ने जो तस्वीरें साझा की हैं, वो बेहद खास हैं। पहली तस्वीर में रूसी विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ हैं, तो दूसरी तस्वीर में ईरानी समकक्ष के साथ सहज भाव में देखे जा सकते हैं। इसके अलावा तजाकिस्तान के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन के साथ भी जयशंकर ने मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि हम दोनों के बीच काफी अच्छी बातचीत हुई। वहीं, भारत के विदेश मंत्री ने चीनी समकक्ष से की गई मुलाकात के बारे में लिखा कि पोलितब्यूरो सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी से मिलकर अच्छा लगा।

26वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन 1 सितंबर 2026 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन एससीओ की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित हुआ। इसका थीम स्थायी शांति, विकास और समृद्धि के लिए मिलकर काम करना रखा गया। शिखर सम्मेलन में शामिल प्रमुख शीर्ष नेताओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन रहे। मंच पर जिनपिंग, पुतिन और पीएम मोदी की मुलाकात भी लाइमलाइट में रही। पुतिन और जिनपिंग के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी की।

एससीओ समिट में अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की बात कही। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरा रवैया नहीं होना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के पूरे इकोसिस्टम को ध्वस्त करने की वकालत की।

श्रीहरिकोटा से 4 सितंबर को उड़ान भरेगा देश का पहला जियो-इमेजिंग सैटेलाइट

लॉन्च व्यू गैलरी से देख सकेंगे दर्शक

डेली आवाज भारती



नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष मिशन के लिए एक और बड़ी उड़ान तैयार है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि जीएसएलवी-एफ17 /ईओएस-05 मिशन 4 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने %एक्स% पर पोस्ट कर यह जानकारी शेयर की। जितेंद्र सिंह ने %एक्स% पोस्ट में लिखा, ÷जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 मिशन 4 सितंबर को सुबह 02ः55 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार, श्रीहरिकोटा से लॉन्च के लिए निर्धारित है। इसके आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण करके एसडीएससी एसएचएआर में लॉन्च व्यू गैलरी से मिशन को देख सकते हैं।÷ जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) की 19वीं उड़ान है। जीएसएलवी-एफ17 की पेलोड फेयरिंग 4 मीटर डायमीटर वाली ओगिव (कम्पोजिट) वर्जन है। यह रॉकेट ईओएस-05 सैटेलाइट को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करेगा। लॉन्च सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार के दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) से किया जाएगा। ईओएस-05 एक अत्याधुनिक अर्थ ऑब्जर्वेशन अंतरिक्ष यान है। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है। इसे जीआईएसएटी-1ए के नाम से भी जाना जाता है। इस सैटेलाइट का वजन 2,367 किलोग्राम है।

इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप की लगभग रियल-टाइम, हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग उपलब्ध कराना है, जो आपदा निगरानी, कृषि और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी।

अगर आप इस ऐतिहासिक लॉन्च को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं, तो आप सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) एसएचएआर में लॉन्च व्यू गैलरी में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके देख सकते हैं। इसके अलावा इसरो के यूट्यूब चैनल पर 4 सितंबर को सुबह 02ः25 बजे से लाइव कवरेज शुरू हो जाएगी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा बनाई गई एक विशेष दर्शक दीर्घा है, जहां से आम जनता रॉकेट लॉन्चिंग को अपनी आंखों से लाइव देख सकती है। यह गैलरी आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में बनाई गई है।

एससीओ समिट: 26वें सम्मेलन में 'बिश्केक घोषणा' पर हस्ताक्षर, आतंकवाद पर पीएम मोदी का कड़ा संदेश

डेली आवाज भारती



बिश्केक/नई दिल्ली। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 26वें शिखर सम्मेलन में मंगलवार को सदस्य देशों के नेताओं ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में %बिश्केक घोषणा% पर हस्ताक्षर किए। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत सभी सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों ने एससीओ की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को मंजूरी दी। सम्मेलन के दौरान नेताओं ने 7 जून 2002 के एससीओ चार्टर में संशोधन और नए प्रावधान जोड़ने संबंधी प्रोटोकॉल पर भी हस्ताक्षर किए। एससीओ नेताओं ने सदस्य देशों की सुरक्षा चुनौतियों और खतरों से निपटने के लिए यूनिवर्सल सेंटर फॉर काउंटरिंग सिक्योरिटी चैलेंजेज एंड थ्रेट्स के नियमों को मंजूरी दी। इसके अलावा एससीओ के एंटी-नारकोटिक्स सेंटर की कार्यकारी समिति के गठन और संचालन से जुड़े दस्तावेज पर भी हस्ताक्षर किए गए। सम्मेलन में सदस्य देशों ने वर्ष 2030 तक नशे की लत और मादक पदार्थों की तस्करी से मुकाबले के लिए सहयोग कार्यक्रम पर सहमति जताई। साथ ही 2030 तक सिंथेटिक ड्रग्स और उनके रसायनों के प्रसार को रोकने के लिए साझा रणनीति अपनाने का फैसला किया गया। नेताओं ने 2026-2028 के लिए अंतरराष्ट्रीय सूचना सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी सहयोग योजना को भी मंजूरी दी। इसके अलावा 2026-2031 की अवधि के लिए जैव विविधता संरक्षण और सतत प्रबंधन पर साझा पहल पर सहमति बनी। एससीओ सदस्य देशों ने 2026-2030 के लिए ग्रीन टेक्नोलॉजी कॉरिडोर (वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग) स्थापित करने के कार्यक्रम और सदस्य देशों के बंदरगाहों तथा लॉजिस्टिक्स केंद्रों के विकास के लिए रोडमैप पर भी हस्ताक्षर किए। इससे पहले शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है और इससे लड़ाई केवल प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रह सकती। प्रधानमंत्री ने कहा, ÷हमें आतंकवाद के वित्तपोषण, भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित ठिकानों के पूरे तंत्र को खत्म करना होगा। आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो देश आतंकवाद को अपनी नीति का औजार बनाते हैं तथा आतंकियों को पनाह और समर्थन देते हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए कि आतंकवाद किसी के लिए भी रणनीतिक संपत्ति नहीं हो सकता।

किशनगढ़ में नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद पूर्व पार्षद का निधन

डेली आवाज भारती



किशनगढ़। राजस्थान नगर निगम चुनाव 2026 के लिए नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद किशनगढ़ नगर परिषद के पूर्व पार्षद रिखब चंद रील का मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके अचानक निधन से उनका परिवार, समर्थक और राजनीतिक सहयोगी सदमे में हैं। रिखब चंद रील ने पहले किशनगढ़ नगर परिषद के वार्ड नंबर 37 का प्रतिनिधित्व किया था और एक बार फिर 2026 के निकाय चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। वह किशनगढ़ की स्थानीय राजनीति में एक जाना-माना चेहरा थे। अपने कार्यकाल के दौरान वह जन-कल्याण के कई कामों से जुड़े रहे और इलाके के लोगों के साथ उन्होंने मजबूत संबंध बनाए थे। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद रिखब चंद रील अपने समर्थकों से लगातार मिल रहे थे और अपने चुनाव अभियान और रणनीति पर चर्चा कर रहे थे। ठीक एक दिन बाद हुई उनकी अचानक मौत से वार्ड नंबर 37 में चुनाव अभियान अचानक रुक गया है। अधिकारियों के अनुसार, सुबह रील ने सीने में तेज दर्द की शिकायत की। उनकी हालत अचानक बिगड़ गई और बताया जा रहा है कि अस्पताल ले जाए जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने मौत की वजह हार्ट अटैक बताई। हालांकि मौत का सही मेडिकल कारण आधिकारिक मेडिकल जांच के बाद ही पता चलेगा। उनकी मौत की खबर फैलते ही अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं, स्थानीय व्यापारियों, समाज सेवकों और समर्थकों ने उनके घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। नामांकन दाखिल करने के तुरंत बाद रील की मौत का असर वार्ड नंबर 37 की चुनावी प्रक्रिया पर पड़ सकता है। अभी नामांकन की जांच और नाम वापस लेने की प्रक्रिया चल रही है। उम्मीदवार की मौत के बाद चुनाव क्षेत्र की स्थिति और आगे के कदमों के बारे में कोई भी फैसला रिटर्निंग ऑफिसर और राजस्थान राज्य चुनाव आयोग द्वारा लागू चुनावी नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

केरल चुनाव में मिली हार के कारणों पर चर्चा के लिए सीपीआई (एम) की बैठक 13 सितंबर से होगी शुरू

डेली आवाज भारती



तिरुवनंतपुरम। केरल चुनाव में मिली हार के कारणों का आकलन करने के लिए सीपीआई (एम) संगठनात्मक चर्चाओं के एक महत्वपूर्ण दौर की ओर बढ़ रही है। पार्टी की विशेष राज्य समिति की बैठक में हार के पीछे के कारकों की विस्तृत जांच होने की उम्मीद है। सीपीआई (एम) की विस्तारित राज्य समिति की बैठक 13 से 15 सितंबर तक कोझिकोड में महासचिव एम.ए. बेबी और नौ पोलित ब्यूरो सदस्यों की देखरेख में होगी। ये चर्चाएं इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि पार्टी चुनाव से मिले सबक को सुधारात्मक उपायों में बदलने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय नेतृत्व ने पहले ही सत्ता विरोधी लहर के प्रभाव और जिस तरह से यह अभियान सरकार और उसके नेतृत्व से निकटता से जुड़ गया, उसकी जांच करने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

हालांकि, पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कन्नूर में अपने सार्वजनिक भाषणों में एक अलग ही दृष्टिकोण बनाए रखा है। अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में उन्होंने पार्टी और उसके समर्थकों के सामने आने वाली संगठनात्मक और राजनीतिक चुनौतियों को रेखांकित करने की कोशिश की है, हालांकि उन्होंने यह स्वीकार नहीं किया कि चुनाव परिणाम पूरी तरह से सरकार के प्रदर्शन के कारण ही आया है। उनकी टिप्पणियों ने राज्य समिति में होने वाली चर्चाओं और उसके बाद की विस्तृत बैठकों में रुचि बढ़ा दी है। पार्टी न केवल चुनावी नतीजों की जांच करेगी, बल्कि संगठन के कामकाज, समाज के विभिन्न वर्गों के साथ उसके संबंधों और जमीनी स्तर पर मतदाताओं को प्रभावित करने वाले कारकों की भी जांच करने की उम्मीद है। इस हार ने सीपीआई(एम) के भीतर संगठनात्मक मजबूती और निचले स्तरों पर अधिक राजनीतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता को लेकर चर्चाओं को जन्म दिया है। चुनाव परिणाम को केवल चुनावी गणित का मामला बने रहने देने के बजाय, कमजोरियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। चुनाव प्रचार के दौरान राज्य नेतृत्व की भूमिका और सरकार के प्रदर्शन को जिस तरह से प्रस्तुत किया गया, उसकी भी गहन जांच होने की संभावना है। साथ ही, पार्टी को इस बात का भी आकलन करना होगा कि स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक मुद्दों और कार्यकर्ताओं के कुछ वर्गों में असंतोष ने परिणाम में किस हद तक योगदान दिया। आगामी बैठकें सीपीआई (एम) को चुनावी हार का सामूहिक रूप से आकलन करने के लिए पहला व्यापक मंच प्रदान करने की संभावना है। यह सुनिश्चित करने में एम.ए. बेबी की भूमिका पर बारीकी से नजर रखी जाएगी कि समीक्षा पार्टी की संगठनात्मक प्रक्रियाओं के दायरे में ही रहे। इन चर्चाओं से सीपीआई (एम) के सुधारात्मक प्रयासों की दिशा का भी संकेत मिलेगा कि क्या मुख्य जोर सरकारी प्रदर्शन, संगठनात्मक नवीनीकरण या दोनों के संयोजन पर होगा। चुनाव के बाद विस्तृत समीक्षा करने की आदी पार्टी के लिए आगामी बैठकें केरल में उसके राजनीतिक और संगठनात्मक मार्ग को निर्धारित करने में विशेष रूप से महत्वपूर्ण साबित हो सकती हैं।

CMYK

page 8_Layout 1 01-09-2026 19:56 Page 1

फिरोजरपुर में कांग्रेसीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार का पुतला फूंक किया रोष प्रदर्शन

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश:आशु बंगड़

डेली आवाज भारती



फिरोजरपुर में कांग्रेसीयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार का पुतला फूंक किया रोष प्रदर्शन

फिरोजपुर (अमनदीप गिरधर): कांग्रेस पार्टी नेताओं और वर्करों ने मंगलवार को फिरोजपुर के कांग्रेस भवन में राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस मौके पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार का पुतला फूंका और अपना गुस्सा जाहिर किया। इस रोष रैली का नेतृत्व जिला इंचार्ज कुलबीर सिंह जीरा, पूर्व विधायक परमिंदर सिंह पिंकी और बलजीत कौर बांगड़ ने किया। इस मौके पर देहाती हल्का इंचार्ज आशु बंगड़ ने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना बेहद निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमेशा देश के संविधान, सामाजिक समानता और हर वर्ग के अधिकारों की बात करते आए हैं। उनकी आवाज ही लोकतंत्र की आवाज है, पर मौजूदा सरकार इस आवाज को एफआईआर के डर से दबाना चाहती है। आशु बंगड़ ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़े की रैली के बाद कथित शुद्धिकरण के मामले पर राहुल गांधी द्वारा आवाज उठाना संवेधानिक अधिकार था। उन्होंने बताया कि इस रैली में खड़े ने जिस तरह सामाजिक न्याय और दलित-पिछड़े वर्गों के अधिकारों की बात की, उसे लेकर कुछ तत्वों द्वारा माहौल खराब करने की कोशिश की गई। इस मामले में सफाई पेश करते हुए राहुल गांधी ने जो बयान दिए, वह पूरी तरह तथ्यों और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित थे। आशु बंगड़ ने कहा कि लेकिन इसके बदले उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करना साफ तौर पर राजनीतिक बदले की भावना और विरोधी आवाजों को खत्म करने की साजिश है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में जब भी किसी विरोधी नेता ने सच बोला है, तो उसे कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ा है, पर कांग्रेस पार्टी इस तरह के दबाव के आगे कभी नहीं झुकेगी।

जालंधर में पैरामिड इंस्टीच्यूट पर फूटा पीड़ितों का गुस्सा

4 कनाल जमीन बेची, 6 लाख दिए; फिर भी नहीं मिला वीजा

डेली आवाज भारती



जालंधर/जतिनः जालंधर के क्कह्डुद्वद्वस्र इंस्टीट्यूट के बाहर उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब बड़ी संख्या में पीड़ति लोग अपने पैसे और जवाब मांगने के लिए पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने एजेंसी पर स्टडी वीजा और विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की कथित ठगी करने के आरोप लगाए हैं। मौके पर इंस्टीट्यूट मालिक मौजूद नहीं था। गुस्साए लोगों ने एजेंसी के ॥क्र को पकड़ लिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गाड़ी में बैठा लिया। वहीं, इस मामले में सिख जत्थेबंदियों ने भी हस्तक्षेप किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि किसी भी पीड़ति के पैसे डूबने नहीं दिए जाएंगे। पुलिस ने मौके से कुछ दस्तावेज और शिकायतें ले ली हैं। शिकायतों और जांच के आधार पर जो भी कानूनी कार्रवाई बनती होगी, वह की जाएगी। प्रदर्शन में शामिल पीड़ति सुखविंदर कौर ने आरोप लगाया कि क्कह्डुद्वद्वस्र एजेंसी के जरिए उनकी बेटी नवजीत कौर का कनाडा के कैलगरी स्थित 'पटाज कॉलेज' में स्टडी वीजा लगवाया गया था। उनका आरोप है कि जालंधर के एक एजेंट के जरिए छात्रा को कथित तौर पर फर्जी कॉलेज में दाखिला दिलाया गया। उनकी बेटी एक-दो साल पढ़ाई करने के बावजूद वर्क परमिट और क्रेडिट हासिल नहीं कर पा रही है। विरोध करने पहुंचे नवनीत कुमार ने आरोप लगाया कि उन्होंने 2026 में ऑस्ट्रेलिया के स्टडी वीजा के लिए आवेदन किया था। उनके मुताबिक एजेंसी को करीब 65 लाख रुपये दिए गए, लेकिन लगभग 8 महीने इंतजार करने के बाद वीजा मिलने के अगले ही दिन उसे 'होल्ड' पर होने की जानकारी दे दी गई। पिछले करीब 2 साल से वह एजेंसी के दफ्तर के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा। प्रदर्शन के दौरान एक मां अपने 22 वर्षीय बेटी से जुड़ी दर्दनाक कहानी बताते हुए रो पड़ी। महिला ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी को शारजाह भेजने की बात कहकर कथित तौर पर ओमान भेज दिया गया था, जहां करीब चार महीने पहले उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

जालंधर में शराब तस्करों के खिलाफ रेड करने पहुंची टीम से हाथापाई, अधिकारी की फाड़ी वर्दी

कथित तौर पर भारी मात्रा में शराब बरामद की गई

- रेड दौरान आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए
- टीम के साथ कथित तौर पर हाथापाई व धक्का-मुक्की
- वहीं, इस घटना के बाद मौके पर काफी हंगामा हुआ

डेली आवाज भारती क्राइम



जालंधर/जतिन : जालंधर में शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची एक्साइज टीम और पुलिस को विरोध का सामना करना पड़ा। कैंट के 30 नंबर मोहल्ले में एक्साइज इंस्पेक्टर सुशील कुमार की अगुवाई में टीम ने रेड की। इस दौरान कथित तौर पर भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। रेड के दौरान आसपास के लोग भी मौके पर इकट्ठा हो गए। इसी बीच कुछ लोगों ने टीम के साथ कथित तौर पर हाथापाई और धक्का-मुक्की शुरू कर दी। घटना के बाद मौके पर काफी हंगामा हुआ। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब तस्करी के मामले में कार्रवाई करने पहुंची थी टीम

जानकारी के मुताबिक, एक्साइज विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम शराब तस्करी के मामले में कार्रवाई करने पहुंची थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान एक एक्साइज अधिकारी की वर्दी भी फाड़ दी गई। शराब बरामद होने के बाद मौके पर मौजूद मुख्य आरोपी ने पुलिस के सामने कथित तौर पर विरोध करते हुए सवाल किया कि बिना परमिशन के घर में कैसे घुसे? पुलिस और एक्साइज विभाग ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में शराब बरामद की और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

राज्य सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए 598.75 लाख की स्टेट एक्शन प्लान को दी मंजूरी: डॉ. बलजीत कौर

1 अक्टूबर को श्री मुक्तसर साहिब से राज्य स्तरीय 'साडे बुजुर्ग साडा मान' अभियान का होगा शुभारंभ

डेली आवाज भारती



चंडीगढ़,राहुल गोयल : वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराते हुए सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज पंजाब भर में स्टेट एक्शन प्लान फॉर सीनियर सिटीजन्स (SAP) 2026-27 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उच्च स्तरीय हितधारक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल, देखरेख, सामाजिक सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न विभागों के बीच अधिक प्रभावी समन्वय स्थापित करने संबंधी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉ. बलजीत कौर ने घोषणा की कि पंजाब सरकार द्वारा 1 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर श्री मुक्तसर साहिब से राज्य स्तरीय 'साडे बुजुर्ग साडा मान' अभियान की शुरुआत की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, आदर और संवेदनशीलता की भावना को और मजबूत करेगा। इसके साथ ही बुजुर्गों के अधिकारों, कल्याणकारी योजनाओं और स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ परिवारों, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और स्थानीय समुदायों को भी उनकी देखभाल और सम्मान के लिए सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा, ÷जिन हाथों ने परिवारों का पालन-पोषण किया और समाज की नींव को मजबूत किया, वे अपने जीवन के इस पड़ाव पर प्यार, सम्मान, सुरक्षा और देखभाल के पूरे हकदार हैं। बुजुर्गों की सेवा केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा, भावनात्मक सहारा और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने के लिए पूरी तनदेही से काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि स्टेट एक्शन प्लान को लागू करने के लिए 598.75 लाख की वित्तीय व्यवस्था की गई है। इस राशि का उपयोग निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य मूल्यांकन शिविर, आंखों की जांच और जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों की मोतियाबिंद सर्जरी, जेरिएट्रिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, पंजाब कौशल विकास मिशन (पीएसडीएम) के सहयोग से जेरिएट्रिक केयरगिवर्स के प्रशिक्षण, डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता, सक्रिय वृद्धावस्था को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों, पीढ़ियों के बीच आपसी जुड़ाव बढ़ाने वाली गतिविधियों, मीडिया जागरूकता और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों पर किया जाएगा।

बिजली समस्या को लेकर किसानों ने मुख्य सड़क की जाम, अधिकारियों को 15 मिनट का अल्टीमेटम

डेली आवाज भारती



जीरकपुर/लालडू, भार्गव गोयल। बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान में कथित देरी से नाराज किसान यूनियन ने मंगलवार को मुख्य सार्वजनिक मार्ग पर सड़क जाम कर प्रशासन और बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। किसानों के सड़क पर उतरने से मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया और दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारी किसान नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक बिजली विभाग का कोई जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर उनकी समस्याएं नहीं सुनता, तब तक वे आंदोलन समाप्त करने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने आरोप लगाया कि पिछले कई दिनों से उनकी समस्याओं को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करने और समाधान का भरोसा दिया जा रहा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। किसानों का कहना था कि करीब छह दिन पहले भी अधिकारियों की ओर से उनकी मांगों पर बातचीत और समाधान का आश्वासन दिया गया था। उस समय अधिकारियों के भरोसे पर किसानों ने अपना विरोध समाप्त कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। धरने के दौरान किसान नेताओं ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों के सामने सवाल उठाया कि यदि पहले से अधिकारियों के साथ बैठक का समय तय था तो बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी अब तक मौके पर क्यों नहीं पहुंचे। किसानों ने कहा कि बार-बार आश्वासन देने के बजाय अधिकारी उनके साथ आमने-सामने बैठकर समस्याओं को सुनें और समाधान की स्पष्ट समयसीमा तय करें। पीले साफे में मौजूद प्रमुख किसान नेता ने पुलिस अधिकारियों से दो टूक कहा कि किसानों को केवल समझाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उन्होंने मांग की कि बिजली विभाग के संबंधित एक्सईएन अथवा किसी अन्य वरिष्ठ अधिकारी को तत्काल मौके पर बुलाया जाए। किसान नेताओं ने प्रशासन के सामने 15 मिनट का अल्टीमेटम रखते हुए कहा कि यदि इस अवधि में बिजली विभाग का जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत नहीं करता तो आंदोलन को और तेज किया जा सकता है। किसानों ने साफ कहा कि अब वे केवल मौखिक आश्वासन के आधार पर अपना धरना समाप्त नहीं करेंगे। किसानों का कहना था कि उनका उद्देश्य आम जनता को परेशान करना नहीं है, लेकिन जब विभाग और प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेते तो उन्हें मजबूर होकर सड़क पर उतरना पड़ता है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर पंजाब में रहेगी छुट्टी, स्कूल-कॉलेज व सरकारी ऑफिस रहेंगे बंद

- छात्रों, शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर
- 4 सितंबर को राज्य सरकार ने सार्वजनिक अवकाश घोषित किया

डेली आवाज भारती



पंजाब में छात्रों, शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों के लिए राहत भरी और अच्छी खबर है। राज्य सरकार ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर 4 सितंबर को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। जिस कारण न तो स्कूल खुलेंगे और न ही सरकारी ऑफिस। छुट्टी की घोषणा होने के बाद विद्यार्थियों और कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। कई लोग धार्मिक कार्यक्रमों और पारिवारिक आयोजनों में शामिल होंगे। श्री कृष्ण जन्माष्टमी हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है, जिसे भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। पंजाब के विभिन्न शहरों और कस्बों में मंदिरों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। भजन-कीर्तन, झांकियां और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालु देर रात तक मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाएंगे और आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

सरकारी कामकाज बंद और स्कूल-कॉलेजों में अवकाश अवकाश के कारण राज्यभर के सरकारी कार्यालयों में कामकाज बंद रहेगा, जबकि स्कूल और कॉलेजों में भी पढ़ाई नहीं होगी। प्रशासन की ओर से संबंधित विभागों को छुट्टी संबंधी निर्देश जारी कर दिए हैं। वहीं बैंक और अन्य संस्थानों की कार्यप्रणाली स्थानीय नियमों के अनुसार तय होगी। लगातार व्यस्त दिनचर्या के बीच मिला यह अवकाश लोगों को परिवार के साथ समय बिताने और धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान करेगा।

भाजपा-अकाली दल का गठबंधन होना पत्थर की लकीर : जगमोहन सिंह कंग

- गठबंधन होगा कुर्सी के लिए, न कि प्रदेश या जनहित में

डेली आवाज भारती



कुराली, (संदीप अकालगढ़िया) कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री स. जगमोहन सिंह कंग ने कहा कि पंजाब में इन दिनों शिरोमणि अकाली दल और भारतीय जनता पार्टी के बीच गठबंधन को लेकर चर्चाओं और अटकलों का दौर जोरों पर है। वहीं, भाजपा नेताओं की ओर से बार-बार बयान दिए जा रहे हैं कि पार्टी पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। स. कंग ने कहा कि दूसरी ओर अकाली दल भी कई धड़ों में बंटा हुआ है। दोनों पार्टियों के बीच चल रही खींचतान और बयानबाजी का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों में अधिक से अधिक सीटों पर अपना दावा मजबूत करना है उन्होंने कहा कि सूत्रों के अनुसार अंदरखाते दोनों दलों के बीच सीटों के बंटवारे और तालमेल को लेकर बातचीत लगातार जारी है तथा मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए दोनों के बीच समझौता होना लगभग तय माना जा रहा है। पूर्व मंत्री कंग ने कहा कि भाजपा और अकाली दल का गठबंधन होना केवल संभावित ही नहीं, बल्कि 'पत्थर की लकीर' जैसा दिखाई दे रहा है उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दलों की ओर से अलग-अलग तरह के बयान देकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ समझती है और उसका मानना है कि अकाली दल तथा भाजपा को अकेले विधानसभा चुनाव लड़कर सरकार बनाने का सपना नहीं देखना चाहिए कंग ने कहा कि पंजाब के राजनीतिक इतिहास में जब भी शिरोमणि अकाली दल (बादल) की सरकारें बनीं, उनमें भाजपा के साथ गठबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कंग ने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर सभी राजनीतिक दल पंजाब की सत्ता हासिल करने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं और आने वाले समय में विभिन्न राजनीतिक समीकरण देखने को मिल सकते हैं उन्होंने कहा कि आम जनता, बुद्धिजीवियों और राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन नहीं होता तो दोनों दलों के लिए पंजाब में मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पिछली विधानसभा और लोकसभा चुनावों के परिणामों तथा पंजाब के बदलते राजनीतिक समीकरणों का गहराई से विश्लेषण करने पर यह स्थिति स्पष्ट होती है। पूर्व मंत्री जगमोहन सिंह कंग ने कहा कि भाजपा और अकाली दल का दोबारा एक साथ आना प्रदेश या जनहित के लिए नहीं, बल्कि सत्ता और कुर्सी हासिल करने की राजनीतिक मजबूरी है उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में दिल्ली में चले किसान आंदोलन के दौरान किसानों के विरोध के चलते अकाली दल (बादल) ने भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ लिया था।

नगर निगम अमृतसर ने हॉल बाजार के बाहर और हॉल गेट के अंदर चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान

रेहड़ी-फड़ी हटाई गईं, सामान जब्त; पैदल आवाजाही और यातायात व्यवस्था सुचारू करने पर जोर



डेली आवाज भारती

अमृतसर। रेहड़ी-फड़ी वालों और अन्य विक्रेताओं द्वारा किए जा रहे अवैध अतिक्रमण संबंधी लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर निगम अमृतसर (स्क्ष्) ने आज हॉल बाजार के बाहर और हॉल गेट के अंदर विशेष अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत व्यावसायिक गतिविधियों के कारण हो रहे अवरोध को हटाना था।

यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त बिक्रमजीत सिंह शेरगिल और अतिरिक्त नगर निगम आयुक्त डॉ. जय इंदर सिंह के निर्देशों पर, सचिव-कम-एस्टेट अधिकारी सुशांत भाटिया तथा एस्टेट अधिकारी धर्मिंदर जित सिंह की निगरानी में की गई। अभियान को इंस्पेक्टर प्रीति चौहान, इंस्पेक्टर अमन कुमार तथा संबंधित प्रवर्तन टीम द्वारा अंजाम दिया गया। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने सड़कों और सार्वजनिक स्थानों के कुछ हिस्सों पर कब्जा कर बनाई गई रेहड़ियों, फड़ियों और अन्य अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया। सार्वजनिक स्थानों पर रास्ते में बाधा बन रहे सामान और अन्य सामग्री को भी जब्त किया गया। यह कार्रवाई क्षेत्र के निवासियों, दुकानदारों, खरीदारों और राहगीरों की ओर से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की गई।





लोगों को सड़क और उसके किनारों पर किए गए अतिक्रमण के कारण पैदल चलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा, इन अतिक्रमणों के कारण यातायात जाम की स्थिति पैदा हो रही थी और व्यस्त हॉल बाजार तथा हॉल गेट क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही थी। नगर निगम ने कहा कि प्रशासन रेहड़ी-फड़ी लगाने वाले छोटे व्यापारियों और विक्रेताओं की रोजी-रोटी की चिंताओं का सम्मान करता है, लेकिन सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और रास्तों को अवरुद्ध रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसे अतिक्रमण पैदल यात्रियों, विशेषकर बुजुर्गों और परिवारों को असुविधा पहुंचाने के साथ-साथ पहले से भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक क्षेत्रों में यातायात संबंधी समस्याएं पैदा करते हैं। स्क्ष् ने रेहड़ी-फड़ी संचालकों और अन्य अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी कि साफ किए गए क्षेत्रों में दोबारा अतिक्रमण न किया जाए। दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर लागू नियमों और प्रावधानों के अनुसार सामान और सामग्री जब्त करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम ने दुकानदारों, विक्रेताओं और शहरवासियों से अपील की कि वे प्रवर्तन टीमों का सहयोग करें और सड़कों, फुटपाथों तथा सार्वजनिक स्थानों को आम लोगों के उपयोग के लिए अतिक्रमण मुक्त बनाए रखें।

CMYK